जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 103 दिनांक:15-08-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम एक संबोधन में कहा कि भारत जैसे विशाल देश में कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा।

ओलंपिक फाइनल से पहले अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील खेल पंचाट (सीएएस) के तदर्थ प्रभाग ने खारिज कर दी है। भारतीय ओलंपिक संघ ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आज 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा देश

जमीन से आसमान तक रहेगा कड़ा पहरा, लगातार 11वीं बार लाल किला से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंग पीएम मोदी

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में गुरूवार यानी 15 अगस्त को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां चल रही है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार लाल किले से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद पीएम मोदी देशवासियों को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस बार लाल किले पर समारोह देखने के लिए करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस को लेकर लाल किले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को देखते हुए दिल्ली की सीमाएं सील कर दी कई हैं। जमीन से आसमान तक सुरक्षाबलों का कड़ा पहरा बैठा दिया गया है। राजधानी के हर कोने और चौराहे पर जवानों की तैनाती की गई है।

राजधानी दिल्ली को तिरंगे के रंग में सजाया जा रहा है। लाल कोट को दुल्हन की तरह तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त की सुबह 7:30 बजे लाल किला की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फराएंगे। 15 अगस्त, 2024 को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल कोट से 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने में राष्ट्र का नेतृत्व करेंगे।

पीएम मोदी लाल कोट से देश को करेंगे संबोधित

इसके बाद पीएम मोदी लाल कोट की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जानकारी के अनुसार, इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित दिया गया है। बता दें कि इस बार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में पंचायती राज संस्थाओं की करीब 400 महिला प्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। जानकारी के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए करीब 45 लखपति दीदी और करीब 30 ड्रोन दीदी को भी विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल कोट से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद पीएम मोदी देशवासियों को संबोधित करेंगे।

50 हजार सुरक्षा कर्मी किए गए तैनात

जमीन से आसमान तक कड़ा पहरा रहेगा। राजधानी को पुलिस और अद्र्ध सैनिक बलों के हवाले कर दिया गया है। एक भी व्यवसायिक वाहन को दिल्ली में प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा। लाल किला के चारों तरह की सडक्रों और पीएम रूट पर जगह-जगह पुलिस और अद्र्ध सैनिक बल तैनात कर दिए गए हैं। करीब 50 हजार सुरक्षा कर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। पूरी दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट है। कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। बता दें इस बार पंचायती राज संस्थाओं की करीब 400 महिला प्रतिनिधियों को लाल किले पर आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। पंचायती राज मंत्रालय खुद मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी थी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए करीब 45 'लखपति दीदी' और करीब 30 'ड्रोन दीदी' को भी विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

जम्मू-श्रीनगर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और यहां से गुजरने वाले वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा बल राजमार्ग से गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग कर रहे हैं।

अवकाश सूचना

दि.१५-०८-२०२४ गुरूवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में जनहितैषी कार्यालय में अवकाश रहेगा अत: दि. १६-०८-२०२४ शुक्रवार को समाचार पत्र प्रकाशित नही होगा। दि.१७-०८-२०२४ शनिवार से अंक नियमित प्रकाशित होगा।

-सम्पादक

खेल पंचाट न्यायालय ने ख़ारिज की विनेश फोगाट की याचिका, नहीं मिलेगा कोई मेडल ?

नई दिल्ली (ईएमएस)

खेल पंचाट न्यायालय ने विनेश फोगाट मामले को खारिज कर दिया है। खेल पंचाट न्यायालय के तदर्थ प्रभाग ने पेरिस ओलंपिक में दूसरे दिन के वजन माप में 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण महिलाओं की 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश फोगट की अपील पर अपना फैसला सुनाने के लिए तीन दिन का और समय दिया था जो फैसला 16 अगस्त (भारतीय समयानुसार रात 9:30 बजे) को सुनाया जाना था।

आईओए ने मंगलवार को जारी एक बयान में कही थी ये बात

खेल पंचाट न्यायालय के तदर्थ प्रभाग के अध्यक्ष ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ डॉ. एनाबेले बेनेट को शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे (पेरिस समय) तक का समय बढ़ाने की अनुमति दी है, लेकिन अब ये खबर विनेश फोगट और करोड़ों भारतीयों की उम्मीद को एक झटका है।

जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आई

रोजाना की जरूरत वाले सामानों के दाम कम हुए, जून में महंगाई 3.36 प्रतिशत थी

नई दिल्ली(ईएमएस)। जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आ गई है। जून में ये बढक़र 3.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 16 महीनों का ऊपरी स्तर था। वहीं, मई में थोक महंगाई 2.61 प्रतिशत पर थी। 14 अगस्त को जुलाई महीने के थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए गए।

इससे पहले 12 अगस्त को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। जुलाई महीने में रिटेल महंगाई घटकर 3.54 प्रतिशत पर आ गई है। ये 59 महीने का निचला स्तर है। अगस्त 2019 में महंगाई 3.21 प्रतिशत थी। खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से महंगाई घटी थी। फ्यूल और पावर की महंगाई बढ़ी रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 8.80 प्रतिशत से घटकर 3.08 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.68 प्रतिशत से घटकर 3.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.03 प्रतिशत से बढक़र 1.72 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.43 प्रतिशत से बढक़र 1.58 प्रतिशत रही।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल गहराए

वाशिंगटन (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में युद्ध की गहराती आशंकाओं के बीच अमेरिका ने इजराइल को 20 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है, जिसमें लड़ाकू जेट विमान से लेकर हवा से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइलें शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि इजराइल के मध्य एशिया में एक बड़े युद्ध में उलझने की आशंकाओं के बीच कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को तेल अविव को 50 से अधिक एफ-15 लड़ाकू विमान, मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल, 120 एमएम के गोले, मोर्टार और सामरिक वाहन सहित अन्य हथियारों एवं सैन्य उपकरणों की बिक्री संबंधी प्रस्ताव के बारे में सूचित किया गया है।

हालांकि, इजराइल को निकट भविष्य में ये हथियार और सैन्य उपकरण हासिल होने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि आपूर्ति संबंधी अनुबंध को पूरा करने में कई वर्ष लगेंगे। इजराइल को इन हथियारों और सैन्य उपकरणों की बिक्री का मकसद यह है कि वह लंबी अवधि में अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर सके। विदेश विभाग ने एक विज्ञप्ति में कहा, अमेरिका इजराइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा

आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें उन दिनों की याद दिलाता है, जब देश के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया। हमारे स्वाधीनता सैनानियों ने हमें नई अभिव्यक्ति प्रदान की। सरदार पटेल, बोस, भगत सिंह, बाबा साहेब आंबेडकर जैसे कई अन्य लोग थे, जिनके बलिदान की सराहना होती रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके, उन्होंने भारत को कृषि-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जी-20 की अपनी अध्यक्षता के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के बाद, भारत ने वैश्विक दक्षिण को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार हेतु करना चाहता है।

भारत बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल कर, भारत सबसे तेज गति से बढऩे वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थ-व्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है।'

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मोदी सरकार की याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई के अपने फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने की मोदी सरकार की याचिका को खारिज कर दी। जिसमें राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के विधायी अधिकार को बरकरार रखा गया था। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से रॉयल्टी वसूल करने की अनुमति दे दी।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि हालांकि, पिछले बकाया के भुगतान पर कुछ शर्तें होंगी। पीठ ने कहा कि केंद्र और खनन कंपनियां खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से कर सकती हैं। बहरहाल, पीठ ने राज्यों को बकाये के भुगतान पर किसी प्रकार का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया।

केंद्र ने खनिजसंपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर लगी रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालना होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीश हस्ताक्षर करेंगे, जिन्होंने बहुमत से 25 जुलाई का फैसला दिया था जिसमें राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार दिया गया था। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई को अलग फैसला दिया था। पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है।

इस फैसले ने 1989 के उस निर्णय को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है। इसके बाद कुछ विपक्षी दल शासित खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 के फैसले के बाद से केंद्र द्वारा लगाई गई रॉयल्टी और खनन कंपनियों से लिए गए करों की वापसी की मांग की। रॉयल्टी वापस करने के मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई हुई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

राष्ट्रपति ने 103 गैलेंट्री अवॉर्ड की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 103 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इनमें 4 कीर्ति चक्र और 18 शौर्य चक्र शामिल हैं। इनमें से 9 पुरस्कार मरणोपरांत हैं। वायु सेना के 2 बहदुर जवानों को शौर्य चक्र और 6 जवानों को वायु सेना मेडल दिया गया है।

राष्ट्रपति ने एयरफोर्स के विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन वीएम को फ्लाइंग (पायलट) को शौर्य चक्र से नवाजा है। वहीं, विंग कमांडर जसप्रीत सिंह संधू को वायु सेना मेडल से दिया गया है। ये पुरस्कार सैन्य कर्मियों को वीरता और उनके बलिदान के लिए दिए जाते हैं।

त्यौहारी सीजन में रेलवे खास रुटों पर चलाएगा 18 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगस्त माह से त्यौहार शुरु हो जाते हैं अगस्त में करीब 15 अगस्त से 19 अगस्त तक छुट्टियां ही छुट्टियां है। ऐसे में लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। यात्रियों की बढ़ती मांग के बीच स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन त्योहार को देखते हुए मध्य रेलवे ने 18 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। ये ट्रेनें देश के प्रमुख स्टेशनों वाले रूट पर चलाई जा रही हैं, जो 15 से 20 अगस्त के बीच चलेंगी।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य रेलवे ने स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर लंबी छुट्टियों के चलते यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सीआर ने इन विशेष ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। विशेष ट्रेनों के लिए आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर पहले से ही खुला है।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2024 में 21 महिलाओं समेत 100 वकीलों को दिया वरिष्ठ वकील का दर्जा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 39 वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया। इनमें दस महिलाएं भी शामिल हैं। इसी के साथ ही प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में अभी तक साल 2024 में ही 100 वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया गया है। इनमें 21 महिला वकील शामिल हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में 2024 से पहले सिर्फ 12 महिलाओं को ही वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया गया था।

खास बात ये है कि इन लोगों में 39 साल की उम्र से लेकर 73 साल के वकील शामिल हैं। के परमेश्वर 39 साल के हैं जबकि एमसी ढींगरा 73 के हैं। इस लिस्ट में 72 साल की इंद्रा साहनी भी हैं जिनके नाम से ऐतिहासिक आरक्षण फैसला भी दर्ज है कि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं होगी।पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के निवासी वकील को सीनियर एडवोकेट बनाया है। नगांगोम जानिये को सीनियर एडवोकेट बनाया गया है।

जिन वकीलों को दर्जा दिया गया है उनमें नलिन कोहली, शादान फरासत, राहुल कौशिक, के परमेश्वर, रुद्रेश्वर सिंह, एम आर शमशाद और ऋषि मल्होत्रा भी सीनियर एडवोकेट्स की सूची में शामिल हैं। वहीं महिलाओं में बांसुरी स्वराज, अपर्णा भट, अनिंदता पुजारी, इंदिरा साहनी, कविता झा आदि हैं।

जापान के प्रधानमंत्री का पद छोड़ेंगे किशिदा

टोक्यो(ईएमएस)। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने अगले महीने प्रधानमंत्री पद छोडऩे का एलान किया है। किशिदा ने कहा कि वह सत्ताधारी पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे और अगले महीने नए अध्यक्ष का चुनाव होते ही पीएम पद से इस्तीफा दे देंगे। जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुनाव नहीं लडऩे का फैसला किया है। किशिदा के इस फैसले का मतलब है कि वह अगले महीने एलडीपी के नए नेता के चुनाव तक ही प्रधानमंत्री पद पर रहेंगे।

रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। अयोध्या के राम मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। इसके लिए अमेरिका ने कोई ठोस वजह भी नहीं बताई है। योगीराज को 12वीं वर्ल्ड कन्नड़ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए अमेरिका जाना था। यह कॉन्फ्रेंस 30 अगस्त से एक सितंबर के बीच वर्जीनिया के रिचमंड कन्वेंशन सेंटर में होनी थी।

अरुण योगीराज के परिवार ने वीजा नहीं दिए जाने को लेकर निराशा जताई है। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि अरुण की पत्नी विजेता पहले भी अमेरिका जा चुकी हैं और ऐसे में अरुण को वीजा देने से इनकार करना काफी अप्रत्याशित है। मूर्तिकार अरुण ने अमेरिका के लिए सभी तैयारियां भी पूरी कर ली थीं। अरुण योगीराज ने भी अमेरिका द्वारा वीजा देने से इनकार किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुझे कोई वजह नहीं मालूम, लेकिन हमने वीजा संबंधित सभी डॉक्युमेंट्स को जमा कर दिया था।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में गैंगरेप का दावा - सीबीआई-एफएसएल टीम ने अस्पताल में की जांच

नई दिल्ली(ईएमएस)। कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस में 14 अगस्त, बुधवार को नया खुलासा हुआ है। ऑल इंडिया गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. सुवर्ण गोस्वामी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ये रेप नहीं, गैंगरेप हो सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट से 151 एमजी लिक्विड (सीमन) मिला है। इतनी ज्यादा मात्रा किसी एक शख्स की नहीं हो सकती है। इस बात की पूरी संभावना है कि रेप केस में एक से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं।

उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घटना के 5 दिन बाद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पीडिता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश हो रही है। ये चीज अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दोषियों को ऐसी सजा मिले, जो समाज में ऐसी घटना रोकने के लिए मिसाल बने। 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर से कोलकाता के राधा गोविंद कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को दरिंदगी की गई थी। इस मामले आरोपी संजय रॉय को अरेस्ट किया गया है। संजय अस्पताल में नौकरी करता था। वहीं, मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने आरोप लगाया है कि अस्पताल प्रशासन सबूतों से छेड़छाड़ कर रहा है। उन्होंने वीडियो शेयर कर कहा- सेमिनार हॉल से 20 मीटर की दूरी पर चेस्ट डिपार्टमेंट के ऑफिस में तोडफ़ोड़ हो रही है। पुलिस के सामने रेनोवेशन के नाम पर सबूतों से छेड़छाड़ हो रही है।

ईडी में निदेशक बने राहुल नवीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन को बुधवार को जांच एजेंसी का पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया गया। राहुल नवीन ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का स्थान लेंगे। संजय मिश्रा का कार्यकाल बुधवार 14 अगस्त को खत्म हो गया है। राहुल नवीन भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 1993 बैच के अधिकारी हैं। राहुल नवीन ने 15 सितंबर 2023 को ईडी डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल पूरा होने पर स्पेशल डायरेक्टर का जिम्मा संभाला था। इससे पहले वह स्पेशल डायरेक्टर के रूप में संजय मिश्रा के साथ मिलकर काम कर रहे थे। इसके अलावा राहुल नवीन वित्त मंत्री के अंडर सचिव के तौर पर रह भी काम कर चुके हैं।

कैबिनेट की नियुक्ति संबंधी समिति की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि आयकर संवर्ग के 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी नवीन की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक के लिए की गई है।''

अंतरराष्ट्रीय कराधान मामलों के विशेषज्ञ नवीन के ईडी का कार्यवाहक प्रमुख रहते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अलग-अलग धन शोधन मामलों में गिरफ्तारी हुई।

खास बात ये भी है कि राहुल नवीन ने इससे पहले जांच एजेंसी में ही कई अहम पदों पर कार्य किया है। उन्होंने आर्थिक अपराधों और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई केस की जांच में अहम जिम्मेदारी निभाई है। राहुल नवीन की पहचान एक सख्त अधिकारी के तौर पर रही है और अलग-अलग विभागों में तैनाती के दौरान उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है।

श्रीनगर के पांच मंदिर और एक धर्म शाला पर जिला प्रशासन का कब्जा

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक अहम सुनाया। इस फैसले में श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर, बाबा धर्मदास राम जीवनदास ट्रस्ट सत्तू बरबर शाह, बाबा धर्मदास रामजीवन दास ट्रस्ट सत्तू बरबर शाह मंदिर विशंभर नगर सहित दो अन्य मंदिरों का प्रबंधन जिला प्रशासन को सौंपने का आदेश दिया है। इसके साथ ही बारामुला के क्रीरी में स्थित एक धर्मशाला की संपत्ति को भी जिला प्रशासन से अपने नियंत्रण में लेने को कोर्ट ने कहा है।

श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर की परिसंपत्ति विवाद से जुड़ी एक याचिका का निपटारा करते हुए, न्यायमूर्ति संजीव कुमार और एमए चौधरी की बेंच ने श्रीनगर के उपायुक्त को आदेश दिया कि वह राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति का गठन करें जो इन मंदिरों में पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था करे। कोर्ट ने कहा कि निर्विवाद रूप से, मंदिर की संपत्ति देवता में निहित है और इसलिए इस याचिका का कोई भी पक्ष या कोई अन्य दावा नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके आधार पर यह कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंच सके कि यह संपत्ति मंदिर को समर्पित की गई। कोर्ट ने कहा कि किसी विशिष्ट रिकॉर्ड के अभाव में यह माना जाना चाहिए कि उस समय के महाराजा ने मंदिरों का निर्माण करवाया और उन्हें भूमि संपत्ति समर्पित की ताकि ऐसी संपत्तियों से अर्जित आय का इस्तेमाल मंदिरों के रख रखाव और धर्मार्थ के उद्देश्य के लिए किया जा सके।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ सेना का मुठभेड़ जारी, एक आतंकी को सेना ने मार गिराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर के डोडा में एक आतंकी को सेना ने मार गिराया है। वहीं 4 खून से सने बैग भी सेना को मिले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि चार आतंकवादी या तो घायल हुए हैं या मारे गए हैं। सेना अभी एनकाउंटर और तलाशी अभियान जारी रखे हुए है।

अधिकारियों ने बताया कि शिवगढ़-अस्सार पट्टी में छिपे विदेशी आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया और इस दौरान घने जंगल वाले इलाके में उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। मुठभेड़ स्थल से चार बैग मिले हैं, जिनमें खून लगा है। इससे यह समझा जा रहा है कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं। साथ ही वहां से एम-4 कार्बाइन भी बरामद की गई हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन ने अपराह्न करीब दो बजे संवाददाताओं को बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है। सेना ने अधिकारी की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि सेना शोक संतप्त परिवार के साथ है। सेना ने कहा कि 'व्हाइट नाइट कोर के सभी रैंक बहादुर कैप्टन दीपक सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि कल शाम सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद आतंकवादी उधमपुर जिले के पटनीटॉप के पास के जंगल से डोडा में घुस आए।

अधिकारियों के अनुसार उधमपुर में मंगलवार शाम करीब छह बजे सुरक्षाबलों को आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला था। आधे घंटे बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने रातभर में इलाके को चारों ओर से घेर लिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आज सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू किया। आज सुबह करीब 7।30 बजे पुन: आतंकवादियों और जवानों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई।

गडकरी ने पूरी की अखिलेश की मांग.....लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक एक्सप्रेस को दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने पिछले दिनों संसद में एक्सप्रेस वे का मुद्दा उठाया था। उन्होंने केंद्र को एक्सप्रेसवे के मुद्दे पर शिकायत की थी। अब उनकी शिकायत पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सकारात्मक रिएक्शन दिया है।

सपा सांसद आनंद भदौरिया ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात कर लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक एक्सप्रेस-वे बनाने का अनुरोध किया। सांसद भदौरिया ने बताया कि गडकरी ने इस प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि अगर एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू होता है, तब यह उनके लिए सपने के सच होने जैसा होगा।

यह मामला कन्नौज सांसद अखिलेश यादव की ओर से संसद में उठाई गई एक मांग से जुड़ा है। जिसमें अखिलेश ने कहा था कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में कोई नया एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया। इसी बीच अखिलेश यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी को पत्र भेजकर यूपी के विभिन्न एक्सप्रेसवे और हाइवे निर्माण की मांग कर दी। अखिलेश ने पहले से स्वीकृत इटावा और कोटा को जोड़ने वाले 408.77 किलोमीटर लंबे चंबल एक्सप्रेसवे के निर्माण को पूरा करने की मांग की।

अखिलेश ने गडकरी से एमपी के ग्वालियर टू लिपुलेख तक प्रस्तावित छह लेन सड़क के निर्माण की भी मांग उठाई। वहीं बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सतना से जोड़ने और इटावा से शुरू होने वाले एक्सप्रेसवे को हरिद्वार से कनेक्ट करने की मांग की है। इसके साथ ही, अखिलेश ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को 25 किलोमीटर और बढ़ाकर बिहार के बक्सर-भागलपुर तक बनने वाले एक्सप्रेसवे से मिलाने के लिए पखनपुरा गांव से जोड़ने की मांग की।

इसके बाद सपा सांसद भदौरिया ने गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने गडकरी को एक पत्र सौंपा, जिसमें लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक्सप्रेसवे बनाने का अनुरोध किया था। यह एक्सप्रेसवे उनके संसदीय क्षेत्र से होकर गुजरेगा। भदौरिया ने बाद में प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि अगर एक्सप्रेसवे का

जन हितैषी

15 अगस्त 1947 की सुबह और बंटवारे का दंस

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था। अंग्रेजों ने भारत से पहले 14 अगस्त को पाकिस्तान को स्वतंत्रता दी थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान मे शपथ ली। उसके बाद भारत के पास और कोई विकल्प नहीं बचा था। वह अंग्रेजों द्वारा दी गई स्वतंत्रता को अस्वीकार कर दे। कांग्रेस के प्रमुख नेता और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आंदोलनकारी धार्मिक आधार पर बंटवारे का विरोध कर रहे थे। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल की विधानसभा से धार्मिक आधार पर बंटवारे की मांग 1945 मे की थी। वह प्रस्ताव अंग्रेजों के लिए मुफीद साबित हुआ। अंग्रेजों ने मोहम्मद अली जिन्ना को पाकिस्तान का राष्ट्राध्यक्ष बनने के लिए तैयार किया। जिन्ना ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। मोहम्मद अली जिन्ना उन दिनों टीवी की बीमारी से पीड़ित थे। उनकी जान कभी भी जा सकती थी। उन्होंने पाकिस्तान का राष्ट्रध्यक्ष बनना स्वीकार किया। 14 अगस्त को अंग्रेजों ने पाकिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर ?जिन्ना को शपथ ?दिला दी। उसके बाद भारत को अंग्रेजों का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा। अंग्रेजों और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में जवाहरलाल नेहरू के नाम पर सहमति बनी। वह भारत के पहिले प्रधानमंत्री बने। 15 अगस्त को बटवारे पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई। अविभाजित भारत के दोनों हिस्सों में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। भारत के हिंदूवादी संगठन मुसलमानो को पाकिस्तान जाने के लिए विवश करने लगे। वहीं पाकिस्तान के मुस्लिम संगठन वहां से हिंदुओं को भारत जाने के लिए विवश करने लगे। उग्रवादी संगठनों ने आजादी का जश्न मनाने के स्थान पर दंगे शुरू कर दिए। अल्पसंख्यक समुदाय की संपत्तियों को लूटा गया। पाकिस्तान में कट्टर मुसलमानो द्वारा हिंदुओं का उत्पीड़न शुरू हुआ। बंटवारे के समय अविभाजित भारत में रहने वाले हिंदू और मुस्लिम दोनों ही हिंसा के शिकार हुए। उन सबका चैन, जान-माल, अस्मत सब लूटी जा रही थी। गली गली में टोलियां बनाकर लुटेरे और उग्रवादी तत्व लूटमार कर रहे थे। ऐसे समय पर भारत में महात्मा गांधी ने दंगा ग्रस्त इलाकों में जाकर अनशन शुरु किया। लोगों से शांति की अपील की। बंटवारे के समय भारत और पाकिस्तान मे जो ट्रेन चल रही थी। उसमे जिंदा और मुर्दा दोनों ही एक देश से दूसरे देश में भेजे जा रहे थे। यह स्वतंत्रता का वीभत्स स्वरूप था। भारत ने इसमें बहुत जल्दी काबू पाया। 1948 में जब महात्मा गांधी की हत्या उग्रवादी हिंदू संगठनों द्वारा की गई। इसके बाद जनता में तीव्र प्रतिक्रिया हुई। उसके बाद भारत में हिंसा का दौर एक तरह से शांत हुआ। 1950 में भारत का संविधान लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों तक भारत में धार्मिक उन्माद की स्थिति देखने को नहीं मिली। भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी धर्म और संप्रदाय के लोगों ने आपस में रहना सीख लिया था। एक दूसरे के ऊपर भरोसा था। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सभी वर्ग आगे बढ़ रहे थे। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक उन्माद एक बार फिर अपनी जड़ों को फैला रहा है। हाल ही में बांग्लादेश में सत्ता में बने रहने के लिए शेख हसीना द्वारा जिस तरह की तानाशाही की। उसके दुष्परिणाम आज सभी को देखने मिल रहे हैं। 1947 के पहले हम आजादी से रहना नहीं जानते थे। कोई हिंदू राष्ट्र कभी नहीं रहा। हमेशा राजा महाराजाओं के राज रहे हैं। सबके अपने-अपने धर्म थे। पहले राजे रजवाड़े और जागीरदारों का शासन था। जो आम जनता को मनमाने तरीके से लूटते और प्रताड़ित करते थे। उसके बाद आक्रांता आए, उन्होंने राजाओं को लूटा। आम जनता ने कभी राजाओं का साथ नहीं दिया। मुट्ठी भर आक्रांताओं ने राजे राजवाड़े और जागीरदारों के महलों पर कब्जा करके अपना शासन स्थापित किया। जनता ने उनका कोई विरोध नहीं किया। धीरे-धीरे करके आक्रांता अपना साम्राज्य स्थापित करते चले गए। सत्ता के अहंकार में सत्ता के मद में आक्रांताओं ने भी जनता के साथ गुलामों जैसा व्यवहार ?किया। जो भी शासन आया, उसने आम जनता को गुलामो की तरह रखा। अंग्रेज आए, उन्होंने राजाओं के ऊपर अधिकार जमाया। आम जनता अंग्रेजों और राजे रजवाणो की जब दोहरी मार से प्रताड़ित हुई। उसकी परिणति जलियांवाला बाग,1857 जैसी घटनाएं हुई। स्वतंत्रता के लिए आम जनता में पहली बार विद्रोह हुआ। उसके बाद अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा। जब वह भारत से जाने लगे। तब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच धा?र्मिक आधार पर बंटवारे का खेल खेला। अंग्रेजों ने भारत और पाकिस्तान की सीमाएं बना दी। राजाओं को स्वतंत्रता दी, कि वह जिस देश से मिलना चाहते हैं, उससे मिल जाएं। भोपाल रियासत का पाकिस्तान से दूर-दूर तक का कोई वास्ता नहीं था। उसके बाद भी भोपाल के नवाब धार्मिक आधार पर पाकिस्तान के साथ जाने की मांग पर अड़े रहे। भारत में सबसे बाद में भोपाल स्टेट के नागरिकों को स्वतंत्रता मिली, यह एक ध्रुव सत्य है। अभी कहा जाने लगा है, कांग्रेस ने बटवारा किया था। यह पूरी तरह से गलत है। अंग्रेज भारत को बांटकर गए थे। उन्हें लगता था, दोनों आपस में लड़ेंगे भिड़ेंगे। कुछ समय के बाद उनकी शरण में फिर आ जाएंगे। धार्मिक आधार पर उन्होंने जो आग अपने शासनकाल में हिंदू और मुसलमान के बीच लगाने की कोशिश की थी। वह उनके शासनकाल में सफल नहीं हो पाई थी। भारत और पाकिस्तान बंटवारे के बाद वर्तमान के हुक्मरानों द्वारा धार्मिक आधार पर जो वेमनष्यता पैदा की जा रही है। भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए जो नीति अंग्रेजों की सत्ता में बने रहने के ?लिये वर्तमान सत्ताधारी अंग्रेजों की नी?ति पर चल रहे हैं। स्वतंत्रता के महत्व को हमें समझना होगा। तभी स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब है। स्वतंत्रता ख़ौफ़ से नहीं, जीवन को ऊर्जा और आनंद के साथ जीने की परिचायक होती है। यदि हम स्वतंत्रता के इस महत्व को समझ लेंगे। तभी मनुष्य जीवन का सही आनंद उठा पाएंगे। अन्यथा हमारी स्थिति भी भेड़ों की तरह होगी। हजारों भेडों की रेड़ को कुछ गडरिए हाँकते हैं। गडरियों की एक आवाज और इशारे पर सारी भेड एक के पीछे एक कतारबद्ध होकर चलती चली जाती है। भेड़ों को लगता है,वह गड़रियों के कारण सुरक्षित है। इसी भ्रम में गडरिये भेड के शरीर से उसके बाल भी नाच लेते हैं। उसे बेच भी देते हैं। उनके दूध से अपना जीवन भी जी लेते हैं। भेडों का कुनबा गड़रियों के लिए जीता है। वह रेड में जन्म लेता है। उसी रेड में मर जाता है। यही भय गुलामी का सत्य है। भय से बचे रहोगे, तो गुलामी से भी बचे रहोगे। जीवन के हर सुख दुख को आनंद के साथ जीने की कला स्वतंत्रता में है। स्वतंत्रता के 78वें वर्ष पर प्रवेश करने पर सभी भारतवा?सियों को बधाई।

आजादी के जश्न से विकसित भारत की शुरुआत

भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस आजादी अमृतकाल के कालखंड के सन्दर्भ में एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति देने एवं नये संकल्प बुनने का अवसर है। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना का स्मरण करने से कहीं ज्यादा है, यह भारत की चिरस्थायी भावना, समृद्ध विरासत और इसकी विविध आबादी को जोड़ने वाली एकता का जश्न है। यह स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने, पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई प्रगति का जश्न मनाने और निरंतर विकास और समृद्धि से भरे भविष्य की आशा करने का दिन है।'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान होगा। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है।

स्वतंत्रता दिवस का एक दुर्लभ अवसर है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। भारत तो अतीत से विश्व को परिवार मानता रहा है, तभी उसने वसुधैव कुटुंबकम् का मंत्र उद्घोष किया। मोदी ने अतीत की उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व को अपना परिवार मानने की भावना का परिचय बार-बार दिया है। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राष्ट्रीयता को जीना होगा। यही भावना सबल, सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा।

अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणओं वाले प्रधानमंत्री ने जमीन से जुड़ी प्रतिभाओं को पद्म सम्मान देकर भी भारत के जन-जन को उचित सम्मान देने की परम्परा का सूत्रपात किया है। आज जबकि भारत अपने पडोसी राष्ट्रों की अस्थिर, अराजक एवं हिंसक घटनाओं से घिरा है, जब प्रधानमंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, सुरक्षित और विकसित राष्ट्र का सपना साकार करने को तत्पर है।'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को साकार करते हुए मोदी देश की तकदीर एवं तस्वीर बदलने में जुटे हैं। इससे यह तो साफ हो गया कि वे इन बुराइयों से निपटने और उनके खिलाफ जनमत का निर्माण करने के लिए अपने तीसरे कार्यकाल में संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने राजनीति ही नहीं बल्कि जन-जन में व्याप्त होते भाई-भतीजावाद एवं परिवारवाद जैसी अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को देश के लिये गंभीर खतरा बताया। इस बार मोदी ने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया, जिसे लेकर विपक्ष की भृकुटि कुछ तन गई है। उनके राष्ट्र-संकल्पों में ऐसी किरणे हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि ''अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ''। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।''

आधारभूत ढांचों का विकास किसी देश की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक भारत ने आधारभूत ढांचों के विकास की कहानी भारत की कुशल नीतियों को बयां करती है। भारत बुनियादी ढांचों के विकास में अब वैश्विक स्तर छू रहा है। भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 20.5 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 23.5 घंटे तक पहुंच गई है। ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक इंटरनेट के कुल नये यूजर में लगभग 56 फीसदी ग्रामीण भारत से होंगे। जनधन खाता सरकारी योजना के लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का एक प्रमुख उपकरण बन गया है। आजादी के पहले पर्यटन जहां तीर्थाटन और देशाटन तक सीमित था, आजादी के बाद व्यवस्थित उद्योग के रूप में विकसित होना शुरू हुआ। आज स्थिति यह है कि पर्यटन के मानचित्र में भारत एक प्रमुख देश के तौर पर दर्ज है। लगातार हुए सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप यह उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा संबल भी बना है। हालांकि अभी ऊंचाइयां छूना बाकी है, पर प्रगति की तेजी उल्लेखनीय है।

प्रधानमंत्री देश में आतंकवादी वारदातें कम करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने के संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हुए गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च कर रहे हैं और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। देशवासियों को?इस बात का अहसास होने लगा है कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है।?मोदी देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान करते हुए राष्ट्र को सबल एवं सक्षम बना रहे हैं। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है। हमें जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

एक बार फिर प्रधानमंत्री ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस की थीम 'विकसित भारत' है। यह थीम 2024 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह थीम बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है। इसकी संपूर्ण झलक हमें कालजयी नेतृत्व मोदी की कार्य-योजना एवं नीतियों मिलती है जो 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का रोडमैप है। जब मोदी का रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म अब देश की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। इनके चलते नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति बनेगी। यह विषय आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करता है जहां प्रत्येक नागरिक उन्नति कर सके। यह एक समृद्ध, समावेशी और लचीले भारत के निर्माण की सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है, जो आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए अपनी समृद्ध विरासत का जश्न मनाएगा। इससे भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।(लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

आमजन के लिए आज भी बेमायने है आजादी!

(स्वतंत्रता दिवस पर विशेष)

वास्तव में आजादी की कीमत पिंजरे में कैद वह पक्षी ही जान सकता है, जिसके पंख फड़फड़ाकर पिंजरे से टकरा टूट जाते हैं, जो पिंजरे की कैद रूपी गुलामी से आजाद होने के लिए लगातार तड़पता है। उसकी चीत्कार और संघर्ष उन आम लोगों का प्रतीक कहा जा सकता है, जिनको 15 अगस्त 1947 से पहले अंग्रेज सरकार तानाशाही के चाबुक से रहरहकर घायल कर रही थी।यह वह दौर था जब भारतीयों को गुलाम बनाकर उनका तरह तरह से उत्पीड़न किया जा रहा था। अंग्रेजो की क्रूरता और नरसंहार के इस खेल में मानवता भी थरथरा उठती थी।भारतीयों के अंतरमन से आवाज आ रही थी कि आखिर कब तक गुलामी का दंश झेलते रहेंगे? कब तक अंग्रेजों के जुल्म को सहते रहेंगे? देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए आजादी के तराने गाये जाने लगे,

ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी कसम,
तेरी राहों में जां तक लुटा जाएंगे,

दलितो-वंचितो-पीड़ितो-शोषितो के मायूस चेहरे पर आजादी की चमक का आगाज कर रही थीं । देश मे आजादी मिलते ही लोकतंत्र की नींव रखी गई और देश का प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को चुना गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से रियासतों का एकीकरण हुआ और डॉ. भीमराव अंबडेकर के प्रयासों ने देश का संविधान अल्प समय में तैयार कर सरकार चलाने की विधि व कानून व्यवस्था प्रावधान लागू किये गए। नई पीढ़ी की शिक्षा के लिए शिक्षामंत्री बनाया गया और हर गांव में पाठशालाएं खोलने के लिए स्वीकृति प्रस्ताव पारित किए गए। यह सब परतंत्रता की बेड़ियों से पड़े जिस्म पर घावों के लिए मरहम की तरह था। लेकिन आजादी के कुछ सालों बाद ही देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चयनित हुए जनप्रतिनिधियों की मानसिकता देशहित न रहकर स्वहित होने लगी। राजनेताओं की स्वहित मानसिकता और लालची रवैये ने राष्ट्रभक्ति की समस्त सीमाएं तोड़ दीं।

पहले गोरे, कालों को लूट रहे थे, तो अब काले ही कालों को लूटने लगे। विकास कार्यो को परिभाषित करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के साथ ही अलमारी में फाइलों की संख्या बढ़ने लगी। जिन राष्ट्रभक्तो और कवियों ने जेल की दीवारों पर वंदेमातरम् लिखकर आजादी की इबारत लिखी थी, उनकी पीठ पर पड़े कोड़ों की मार से निकले फोड़ों के फूटने पर आए लहू के कतरे उपेक्षा की कहानी बयां कर रहे थे। लाठी के दम पर आजादी की मशाल जलाने वाले गांधी का अपमान कर गोड़से को आराध्य माना जाने लगा। देश के युवाओं की दिशा पश्चिमीकरण के कारण भ्रमित हो गई। सरकारी कार्यालयों में लगी भ्रष्टाचार की दीमक ने अधिकारियों और कर्मचारियों के ईमान को नोंच डाला। बेरोजगारी ने नौकरियों और उच्च शिक्षा के प्रति आमजन का मोहभंग कर दिया।आए दिन नए-नए घोटालों और अपराधिक ता ने जनप्रतिनिधियों की पोल खोलकर रख दी। ऐसी बदहाल आजादी की कल्पना महात्मा गांधी ने तो कभी नही की थी। जिस देश में स्कूलों से ज्यादा शराब के ठेके नजर आते हो , जहां पैसों वालों के लिए कानून उनकी जेब मे हो और गरीबों के लिए केवल शोषण हो। जहां फुटपाथों पर मासूमों का बसेरा हो और अमीरों की गाड़ियों का पहिया जिनकी मौत का कारण बनता हो। यहां अमीरों के लिए ही अच्छे दिन है ,बाकी गरीबों की आंखों में तो आज भी पानी ही है।

सवाल उठता है कि क्या हम हर 15 अगस्त को यूं ही समस्याओं का जिक्र करते रहेंगे या फिर खुद भी देश के लिए कुछ करने के लिए खड़े होंगे? आजादी की भौतिकता तक सीमित न रहकर सोच और मन से आजाद होने की आज सबसे बड़ी जरूरत है। आजादी का मतलब केवल अधिकारों की मांग के नाम पर उग्र प्रदर्शन करना भर नहीं है, बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी सकारात्मक भूमिका निभाना है। नेताओं को कोसना ही काफी नहीं है, बल्कि ईमानदार व्यक्ति को नेता बनाने के लिए सक्रिय मतदाता बनकर चुनाव करना भी है। आज देश का करोड़ों रुपया नमामि गंगे और स्वच्छ भारत अभियान पर खर्च हो रहा है?लेकिन फिर भी न गंगा साफ हो पाई और न ही स्वच्छता कायम रख पाए।इस दिन हर भारतवासी अपने देश की आजादी के शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करता है, जिनके खून पसीने और संघर्ष से हमें आजादी नसीब हुई। स्वतंत्रता के मायने हर नागरिक के लिए अलग-अलग होते हैं, कोई व्यक्ति स्वतंत्रता को अपने लिए खुली छूट मानता है, जिसमे वह अपनी मर्जी का कुछ भी कर सके, चाहे वह गलत हो या सही हो। लेकिन स्वतंत्रता सिर्फ अच्छी चीजों के लिए होती है। बुरी चीजों के लिए स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। इसलिए स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो। अगर स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण ही नहीं है तो यह आजादी नहीं बल्कि एक प्रकार का छुट्टापन होता है। जिस पर कोई भी लगाम नहीं होती। यही छुट्टापन देश और समाज में बलात्कार, छेड़खानी, हत्या और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के अंजाम के लिए जिम्मेदार होता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के युवा पतंगें उड़ा कर आजादी का जश्न मनाते हैं। हवा में लहराती पतंगें संदेश देती हैं कि हम आजाद देश के निवासी हैं। लेकिन क्या तिरंगा फहराकर या पतंग उड़ाकर आजादी का अहसास हो जाता है? क्या भारत में हर किसी को आजादी से जीने का हक मिल पाया है? हमें आजादी मिली, उसका हमने क्या सदुपयोग किया। लोग पेड़ों को काट रहे हैं। बालिका भ्रूण की हत्या हो रही है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। शराब पीकर लोग देश में सड़क हादसों को अंजाम देते हैं, और दूसरे बेगुनाह लोगों को मार देते हैं। ये कैसी आजादी है, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन कर रहा है।

आज भी हमारे आजाद भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगानी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यवहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुँच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगेआज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार चाहे समानता का अधिकार हो, चाहे स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति सम्बन्धी अधिकार हो; समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशे लगायी जाती हैं, जोकि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं है।भारत में अंग्रेजों की हुकूमत साल 1858 में शुरू हुई और 1947 तक चली. इससे पहले, 1757 से लेकर 1857 तक भारत पर ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी का कंट्रोल था। देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान के आगे आखिरकार अंग्रेजों ने घुटने टेक दिए और करीब 200 साल तक अंग्रेजों की गुलामी करने के बाद भारत को 15 अगस्त, 1947 के दिन आजादी मिली।आज जरूरत इस आजादी को बनाये रखने की है। (लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस)

(लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे व वरिष्ठ पत्रकार है)

आइए हम सभी राष्ट्रीय भावना को जगाएं

आज 15 अगस्त का पावन दिवस है यानी राष्ट्रीय भाव को व्यक्त करने का दिवस। देश को स्वतंत्र कराने वाले महान सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने का और उनके विचार को अपनाने का दिन। अब हमें इस बात का भी स्मरण करना चाहिए कि क्या हमारा देश उन बलिदानियों के विचार को पूरी तरह से आत्मसात कर पाया है, नहीं। जरा विचार %ह्ड्ढच्ष्ठ कहां चूक हो गई। हम सभी प्रत्येक राष्ट्रीय त्यौहार पर उन बलिदानियों का स्मरण करके उनके द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों पर चलने का संकल्प तो लेते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह राष्ट्रीय भाव की बातें केवल एक दिन की बात ही बनकर रह जाती है। बाकी के दिनों में हमारा व्यवहार केवल अपने और अपने परिवार तक सीमित हो जाता है। हम छोटी छोटी बातों के लिए सरकारी तंत्र को जिम्मेदार ठहरा देते हैं।

हमें इस राष्ट्रीय पर्व पर अंतर्मन से यही विचार करना होगा कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य क्या हैं? अगर इस दिशा में गंभीरता पूर्वक और सकारात्मक दृष्टि से चिंतन कर लिया तो स्वाभाविक रूप से हम और हमारा समाज राष्ट्रीय चेतना की भाव धारा को आत्मसात करते हुए अपने व्यवहार को राष्ट्र के अनुकूल बनाने के लिए मार्ग बना सकेगा। आज प्रायः यह देखने में आता है कि हम छोटी सी छोटी ऐसी समस्या के लिए शासन और प्रशासन को दोष देते हैं, जो हमारे स्वयं के द्वारा निर्मित की जाती है। हम जीवन में यह तय कर लें कि हम इस देश के लिए समस्या नहीं समाधान का हिस्सा बनेंगे तो कई समस्याएं अपने आप ही समाप्त हो जाएंगी। भारत के श्रद्धेय महापुरुषों ने इसी के लिए ही तो अपना सर्वस्व समर्पण किया था। महात्मा गांधी ने आजादी मिलने से पूर्व कहा था कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करूंगा, जिसमें ऊंच नीच का भेद नहीं हो, जिसमें स्वदेशी का भाव प्रथम हो। लेकिन ऐसा लगता है कि महात्मा गांधी के ये विचार राजनीतिक स्वार्थ की बलिवेदी में स्वाहा हो गए हैं। समाज में भेद पैदा करने की दिशाहीन राजनीति का बोलबाला है। जिसके कारण देश कमजोर होता जा रहा है। महात्मा गांधी ने जो दर्शन दिया, वह भारत को मजबूत बनाने का दर्शन है। इसे हम सभी को धारण करना होगा।

हम प्रायः एक गीत सुनते हैं और कभी गुनगुनाते भी हैं। ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी। कहने भर के लिए यह एक गीत ह्रष्ठ लेकिन इसके प्रत्येक शब्द में एक प्रेरणा है। जिन महापुरुषों ने भारत की आने वाली पीढ़ियों के लिए आजादी दिलाई, उनके संघर्ष को हम भूल *ष्ठ उनकी कुर्बानी को विस्मृत कर दिया। आज हमारी आंखों में उन शहीदों की गाथा सुनकर पानी नहीं आता। इससे ऐसा लगता है कि आज का समाज संवेदना रहित हो गया है। आज के समय में एक बार फिर से अपने मन में राष्ट्र के प्रति संवेदना जगाने की आवश्यकता है।

मेरा सभी देश वासियों से आग्रह है कि आज देश के लिए मर मिटने की आवश्यकता नहीं, देश के लिए जीने की आवश्यकता है। जिसने देश के लिए जीना सीख ढ्ढ्ढ्ढ वह अपने राष्ट्रीय कर्तव्य की कसौटी पर हर परीक्षा में पास होता जाएगा। जो बलिदान हो गए, उनको और उनके सपने को साकार करने के लिए हम सभी को राष्ट्रीय भाव के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। हमें यह भी याद रखना होगा कि हमारी विरासत हमारा गौरव है। यह विरासत भारत के महापुरुषों ने ही बनाई है। हम सभी इस विरासत को बचाने के लिए मन से तैयार हो जाएं, यह राष्ट्र को फिर से एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। जो आने वाली पीढी के लिए एक सुखमय भारत का निर्माण करेगा।

अंत में यही कहना चाहूंगा कि भारत अति प्राचीन राष्ट्र है। यहां सांस्कृतिक विरासत है। इस विरासत को सहेजना भी हमारी जिम्मेदारी है। मैं इस गाने की पंक्तियों के साथ अपनी बात समाप्त करूंगा।

अपनी आजादी को हम हरगिज भुला सकते नहीं।

सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं। भारत माता की जय। (लेखक – सुरेश हिन्दुस्थानी/ ईएमएस) (वरिष्ठ पत्रकार)

शब्द पहेली - 8099

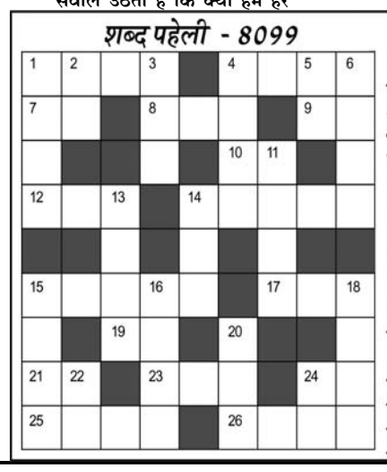

बाएँ से दाएँ

1.तमाशा करने वाला-4
4.शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7.बेल,लतिका-2
8.मामला-3
9.स्तर,परत-2
10.भागना (अंग्रेजी-2)
12.गिरवी रखी वस्तु-2
14.सजदे में झुका हुआ-5
15.असंभव-5
17.खुदा की इबादत-3
19.फायदा,लाभ-2
21.क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23.मुस्लिम,यवनी-3
24.मोल,कीमत-2
25.स्वभाव,आदत-4
26.करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1.शमशीर,कृपाण-4
2.मां,मम्मी-3
3.नीयत,चरित्र-4
4.ज्वरताप-2
5.राय,वोट-2
6.आंदोलन,संग्राम-4
11.क्षारीय,चटपटा-4
13.आशियां,नीड़-4
14.नेत्र,आंखें-3
15.अनभिज्ञ-4
16.बचत,रिआयत-4
18.आवश्यकता-4
20.उन्माद-2
22.वोट-2
24.अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8098 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अब नहीं दिखेगी जर्सी नंबर 16

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को रिटायर करने का फैसला किया है। स्टार खिलाड़ी ने हाल ही में संपन्न हुए पेरिस खेलों में देश को लगातार दूसरा ओलंपिक पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने संन्यास का एलान कर दिया। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने घोषणा करते हुए बताया कि लगभग दो दशक तक 16 नंबर की जर्सी पहनने वाले 36 वर्षीय श्रीजेश जूनियर हॉकी टीम के राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएंगे।

मोर्ने मोर्कल टीम इंडिया के बॉलिंग कोच बने

मुंबई (ईएमएस)। 39 साल के पूर्व साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मोर्ने मोर्कल भारतीय क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच बनाए गए हैं। वे 1 सितंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआई से

शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ

सेंसेक्स150 अंक उछला , निफ्टी 24,143.75 पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही पिछले दो कारोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी अंकुश लग गया। आज आईटी शेयरों में अच्छी तेजी देखी गयी।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 149.85 अंक करीब 0.19 फीसदी ऊपर आकर 79,105.88 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.75 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी बढ़कर 24,143.75 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। टीसीएस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एनएंडएम सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, एसबीआई, टाइटन, आईटीसी,एनटीपीसी,एचडीएफसी बैंक, मारुति, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्लयू स्टील, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स और पावर ग्रिड जैसे शेयर रहे। इसके अलावा, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, एलएंडटी, रिलायंस और बजाज फाइनैंस के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशक ने गत दिवस 2,107.17 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,239.96 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

वहीं एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो के बाजार में उछाल आया जबकि शंघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुला। बीएसई सेंसेक्स 79,000 के करीब जबकि एनएसई निफ्टी 24,196 के शीर्ष स्तर पर आ गया। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स लगभग 24,250 स्तरों

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेल बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दोनों के वायदा भाव आज नीचे आये। सुबह सोने के वायदा भाव 70,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,000 रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए, सोने की शुरुआत ही गिरावट के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना आज 120 रुपये की गिरावट के साथ 70,579 रुपये के भाव पर खुला। वहीं एक समय यह अनुबंध 166 रुपये की गिरावट के साथ 70,533 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 70,579 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 70,532 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के सबसे अधिक स्तर पर पहुंचे थे।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का अनुबंध आज 37 रुपये नीचे आकर 81,012 रुपये पर खुला। ये अनुबुंध 53 रुपये की गिरावट के साथ 80,996 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसने 81,030 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 80972 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने की शुरुआत गिरावट के साथ हुए,जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में इसके भाव सुस्त पड़ गए।कामेक्स पर सोना 2,506.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,507.80 डॉलर प्रति औंस था। वहीं एक समय ये 7.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,500.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.93 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.78 डॉलर था।

जुलाई की तेजी अगस्त में बाजार ने गंवाई.....निवेशकों को हुआ भारी नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। जुलाई में शेयर बाजार ने जो बढ़त हासिल की थी, वह अगस्त के पहले दो हफ्तों में ही खत्म हो गई। सेंसक्स और निफ्टी दोनों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स में लगभग 700 अंकों और निफ्टी में 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट हुई। अगस्त के महीने में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है, जबकि सिर्फ मंगलवार को ही निवेशकों के 4.48 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस हफ्ते शेयर बाजार कम दिन ही खुला रहेगा, इससे मुनाफावसूली का दबाव बना रह सकता है। 13 अगस्त को शेयर बाजार के आंकड़ों के आधार पर, निवेशकों को इस महीने में अब तक हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मंगलवार को सेंसेक्स करीब 700 अंकों की गिरावट देखने को मिली। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स 692.89 अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 अंकों पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 78,889.38 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी पहुंचा। सुबह सेंसेक्स 79,552.51 अंकों पर ओपन हुआ था और एक दिन पहले मामूली गिरावट के साथ 79,648.92 अंकों पर बंद हुआ था। वहीं बीते दो हफ्तों की करें तब सेंसेक्स में 2,785.31 अंक यानी 3.40 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि पूरे जुलाई के महीने में सेंसेक्स में 3.42 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसका मतलब है कि अगस्त के दो हफ्तों में ही सेंसेक्स में जुलाई की पूरी बढ़त को गंवा दिया है।

निफ्टी मंगलवार को भारी गिरावट के साथ 208 अंक टूटकर 24,139 अंकों पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 24,116.50 अंकों के लोअर लेवल तक भी गया।

सुबह निफ्टी ने सपाट शुरुआत करते हुए 24,342.35 अंकों पर ओपनिंग की थी, जबकि सोमवार को यह मामूली गिरावट के साथ 24,347 अंकों पर बंद हुआ था। अगस्त के महीने में निफ्टी में अब तक 812.15 अंकों (3.25 प्रतिशत) की गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, जुलाई के महीने में निफ्टी ने निवेशकों को 3.92 प्रतिशत यानी 940.55 अंकों की बढ़त दिलाई थी। इसके साफ है कि अगस्त में निफ्टी ने जुलाई में हासिल की गई 86 प्रतिशत से ज्यादा बढ़त को गंवा दिया है।

इसका मतलब है कि बीएसई के मार्केट कैप में 4,48,319.04 करोड़ रुपए की कमी आई, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। अगर पूरे अगस्त महीने में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। इसके विपरीत, जुलाई के महीने में निवेशकों ने 23 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा कमाया था।

भारत का निर्यात जुलाई माह में कम हुआ.....आयात बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का वस्तुओं का निर्यात जुलाई माह में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर पहुंच गया है। एक साल पहले सामना महीने में आंकड़ा 34.39 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश का आयात जुलाई में लगभग 7.45 प्रतिशत बढ़कर 57.48 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल सामना महीने में 53.49 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, व्यापार घाटा जुलाई में 23.5 अरब डॉलर रहा है। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार घाटा कहते हैं। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखने से पता चलता है कि देश का कुल माल एवं सेवा निर्यात पिछले साल के आंकड़े को पार कर जाएगा। देश का वस्तु निर्यात जून में 2.56 प्रतिशत बढ़कर 35.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। हालांकि, इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 20.98 अरब डॉलर हो गया था। चालू वित्त वर्ष (2024-25) के पहले चार माह (अप्रैल-जुलाई) में निर्यात 4.15 प्रतिशत बढ़कर 144.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि आयात 7.57 प्रतिशत बढ़कर 229.7 अरब डॉलर रहा है।

चना की बढ़ती कीमतों में सरकार की कोशिश के बाद भी नहीं लग रहा अंकुश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार की लाख कोशिश के बावजूद चना की कीमतों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सरकार ने जून में चने के दाम नियंत्रित करने भंडारण सीमा लगाई थी लेकिन इसके बाद भी दाम घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह आठ हजार रुपए प्रति क्विंटल हो रहे हैं।

दिल्ली में चना के थोक भाव सप्ताह भर में 300 रुपए बढ़कर 7,600 रुपए और महाराष्ट्र की अकोला मंडी में 7,425 रुपए क्विंटल है। चना के थोक भाव एक महीने में 600 से 700 रुपए और साल में करीब एक हजार आठ सौ से दो हजार रुपए क्विंटल बढ़ चुके हैं। चना की कीमतों में तेजी पर केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का भी कोई असर नहीं दिख रहा है। सरकार ने 21 जून को चना की कीमतों में आ रही तेजी थामने के लिए भंडारण सीमा लगाई थी लेकिन इसके बाद भी चना के दाम 500 रुपए क्विंटल बढ़ गए।

कमोडिटी विश्लेषक ने बताया कि इस साल चना के उत्पादन में कमी आई है। इससे चना की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। हाल में आई तेजी की वजह त्योहारी मांग भी है।एक रिपोर्ट के मुताबिक त्योहारों में बेसन बढ़ती मांग से चना की कीमतों में तेजी आई है। स्टॉकिस्टों को अभी और तेजी की उम्मीद है। इसलिए वे आगे चना की बिकवाली कम कर सकते हैं। साथ ही ऑस्ट्रेलिया और तंजानिया में चना के दाम बढ़ने से भी घरेलू बाजार में इसकी कीमतों में तेजी को बल मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के चना का भारतीय बंदरगाह पर भाव 875 से 880 डॉलर प्रति टन यानी 7,3500 से 7,3850 रुपए प्रति क्विंटल है। जानकारों का मानना है कि सरकार भले ही 130 लाख टन चना उत्पादन का दावा करती है लेकिन इसका उत्पादन 100 लाख से ज्यादा नहीं है। इसलिए इसके भाव आठ हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच रहे हैं।

क्या डीजलकारों के लिए भारत में बहुत कम समय बचा

-सरकार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों की बिक्री को दे रही बढावा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए सब्सिडी दे रही है। वहीं सरकार की ऐसी कोई भी नीति नहीं है जो डीजल कारों की बिक्री को प्रोत्साहन दे। ऐसे में कहा जा सकता है कि डीजल कारों के लिए समय बहुत कम बचा है।

कई प्रतिबंधों और अधिक टैक्स के बावजूद भारतीय बाजार में आज भी डीजल कारें अच्छी संख्या में बिक रही हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह डीजल कारों का पेट्रोल कारों की तुलना में अधिक माइलेज है। इससे इनमें ईंधन की लागत कम होती है। दूसरी वजह अधिक इंजन पावर का होना है। समान मॉडल की एक डीजल कार अपने पेट्रोल मॉडल की तुलना में अधिक पॉवर और टॉर्क जनरटे करती है। बड़ी और भारी गाड़ियों में कंपनियां अक्सर डीजल इंजन का ही इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा डीजल इंजन अधिक टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाला होता है। दरअसल, डीजल कारें पावरफुल तो होती है लेकिन पेट्रोल की तुलना में अधिक प्रदूषण भी फैलाती हैं। डीजल कार के धुंए से अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर और कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होता है।

इस वजह से दिल्ली एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को बैन कर दिया गया है। सरकार प्रदूषण मुक्त भविष्य की तरफ कदम बढ़ा रही है। इस वजह से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड गाड़ियों को अधिक प्रमोट किया जा रहा है। आने वाले समय में हाइब्रिड कारों पर जोर दिया जा सकता है जिनमें ईंधन से चलने वाले इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर लगा होता है। ये गाड़ियां बहुत कम प्रदूषण पैदा करती हैं। इसके अलावा बायोडीजल से चलने वाली गाड़ियों पर भी जोर दिया जा सकता है। बायोडीजल एक जैव ईंधन है जिसके जलने से डीजल के मुकाबले बहुत कम प्रदूषण होता है। पिछले कुछ सालों को देखें तो डीजल कारों को लेकर दुनियाभर की सरकारें सख्त हुई हैं।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को पद से हटाया

कैबिनेट में क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले वकील को शामिल करने पर संवैधानिक कोर्ट ने दिया आदेश

बैंकॉक(ईएमएस)। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को संवैधानिक कोर्ट ने पद से हटा दिया है। उन पर कैबिनेट में एक क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले वकील को शामिल करने का आरोप था। कोर्ट ने प्रधानमंत्री श्रेथा के इस कदम को नैतिकता का उल्लंघन बताते हुए दोषी ठहराया है।

संवैधानिक कोर्ट की 9 जजों की बैंच ने ये फैसला 5-4 के बहुमत से दिया है। प्रधानमंत्री श्रेथा के खिलाफ पूर्व सीनेटर्स ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। इन सभी सीनेटर्स को पिछली जंटा सरकार ने नियुक्त किया था। इस फैसले के बाद थाईलैंड में राजनीतिक संकट खड़ा गया है। इससे पहले पिछले हफ्ते संवैधानिक कोर्ट ने मुख्य विपक्षी मूव फॉरवर्ड पार्टी को बर्खास्त कर दिया था। साथ ही इसके सभी नेताओं पर 10 साल तक के लिए बैन लगा दिया था। मूव फॉरवर्ड पार्टी ने पिछले साल हुए चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीती थीं।

मंत्रिमंडल भी भंग, नए सिरे से होगा सरकार का गठन

कोर्ट ने अपने आदेश में थाईलैंड सरकार के मंत्रिमंडल को भी भंग कर दिया है। अब इसके बाद नए सिरे से प्रधानमंत्री को नियुक्त किया जाएगा। फू थाई पार्टी के नेतृत्व वाला सत्ताधारी गठबंधन अब प्रधानमंत्री पद के लिए नया नाम देगा। नए नाम की घोषणा के लिए थाईलैंड की 500 सदस्यों वाली संसद में वोटिंग की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्रेथा ने जानबूझकर क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को कैबिनेट में शामिल किया है। कैबिनेट में शामिल होने वाले वकील का नाम पिचित चुयेनबान है, जिसे 2008 में एक मामले में दोषी ठहराया गया था।

हम पर किसी ने हमला किया तो जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी-पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने धमकी दी है कि अगर उनके देश पर किसी भी तरह का हमला हुआ तो पाकिस्तान उसका मुंह तोड़ जवाब देगा और जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी। हमारे खिलाफ चाहे जो भी बहुस्तरीय और बहुआयामी खतरा हो, हम एकजुट और आश्वस्त हैं। हमारे खिलाफ युद्ध का जो भी तरीका इस्तेमाल किया जाएगा उसके खिलाफ हमारी जवाबी कार्रवाई तुरंत और खतरनाक होगी। हम निश्चित रूप से दूर तक और गहराई से हमला करेंगे। मुनीर ने आजादी परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। पाकिस्तान बनने के 77 साल पूरे होने की परेड काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में आयोजित की गई थी।

ऐसा माना जा रहा है कि यह धमकी सेना प्रमुख अपने तीन पड़ोसियों भारत, अफगानिस्तान और ईरान को दी है क्योंकि तीनों के साथ ही पाकिस्तान का विवाद चल रहा है। इसमें भी खास तौर से उनकी धमकी भारत के लिए है। मुनीर ने आगे कहा कि हम जानते हैं कि आजादी मुफ्त में नहीं मिलती है और इसके लिए कई बहादुर बेटे-बेटियां हमेशा अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि पाकिस्तान के लोग और उसके सुरक्षा बल कभी पीछे नहीं हटेंगे और किसी को भी देश पर बुरी नजर नहीं डालने देंगे।

उन्होंने सुख-दुख के दौरान देश के साथ खड़े रहने के चीन, सऊदी अरब, यूएई, कतर और तुर्की का शुक्रिया अदा किया। क्षेत्रीय गतिशीलता को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने अफगानिस्तान को भाईचारे वाले इस्लामी पड़ोसी के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने इच्छा जताते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्हें हमारा संदेश है कि वह अपने भाईचारे वाले देश के खिलाफ फितना-उल-खवारिज को बढ़ावा नहीं देनी चाहिए। वह टीटीपी आतंकियों को शरण देने का जिक्र कर रहे थे। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान धरती से ऑपरेट हो रहे हैं।

मुनीर ने कश्मीर और फिलिस्तीन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने भारत के कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों में निहित आत्मनिर्णय के उनके अधिकार के लिए हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और कश्मीर के बहादुर लोगों को अपने पूर्ण राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन का आश्वासन देते हैं।

भारत दिवस परेड में राम मंदिर की झांकी को शामिल करने पर उठे सवाल

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में राम मंदिर की झांकी को शामिल करने का फैसला लिया गया था। परेड में राम मंदिर की झांकी को शामिल करने के निर्णय पर आयोजकों ने कहा कि भारत दिवस परेड पर नफरत भरी कट्टरता का वार किया जा रहा है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ने कहा कि हम शांतिपूर्ण सामुदायिक उत्सव आयोजित कर रहे हैं, लेकिन इसे कड़ी जांच के घेरे में रखा गया है। इसकी तैयारी के लिए हमने कड़ी मेहनत की है। यह दुर्भावनापूर्ण और नफरत भरी जांच सोशल मीडिया पर फैल गई, जिससे प्रायोजकों को नुकसान हो सकता है। इस नफरत के कारण कानून का पालन करने वाले नागरिकों को चिंता होने लगी है। बयान में आगे कहा गया कि हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण एक पवित्रस्थल पर बने झांकी में शामिल होना अपमानजनक बताया जा रहा है। हमारा सवाल है कि क्या किसी अन्य समुदाय के पूजा स्थल पर इसे बर्दाश्त किया जाएगा?

आज दुनिया में अमेरिका की इज्जत नहीं, कोई उसकी नहीं सुनता: ट्रम्प

-कहा- मैंने बहस में बाइडन को बुरी तरह हराया इसलिए उन्हें हटाया

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। इस दौरान अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पर एलन मस्क के साथ एक बातचीत की। इस बातचीत में ट्रंप ने कमला हैरिस पर हमला बोला। साथ ही कहा कि जो बाइडन को राष्ट्रपति की रेस से जबरन हटाया गया। उन्होंने कहा कि मैंने बहस में बाइडन को बुरी तरह हराया कि उन्हें दौड़ से बाहर कर दिया गया। वह अब तक की सबसे शानदार बहस है। बाइडन को बाहर निकालना यह एक तख्तापलट था।

मस्क ने भी ट्रंप के दावे को दोहराते हुए कहा कि वह बाइडन को एक शेड के पीछे ले गए और वहां शूट कर दिया। इस दौरान ट्रंप ने पिछले महीने हत्या के प्रयास को भी दोहराया, जिसमें वह बाल-बाल बच गए थे। उन्होंने कहा कि यह एक हार्ड हिट था। मुझे लगता है कि आप कहेंगे कि यह अवास्तविक था, लेकिन ऐसा नहीं है।

आंकड़ो के मुताबिक इस साक्षात्कार को दस लाख से ज्यादा लोग सुन रहे थे। ट्रंप ने लोगों की संख्या का संदर्भ देते हुए कहा, हर रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बधाई। ट्रंप से उनकी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जनमत सर्वे में आगे निकल गई हैं। ट्रंप के अभियान ने मस्क के साथ बातचीत को सदी का इंटरव्यू बताया है।

ट्रंप ने बातचीत में दावा किया कि लोग उनके अदालती मामले से डरे हुए हैं। क्योंकि न्याय अब निष्पक्ष नहीं रहा। उनका दावा है कि एक ऐसे जज और जूरी को बिठाया जाता है जिसका झुकाव डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ हो। इस कारण लोग न्यूयॉर्क से अपना निवेश निकाल रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके साथ भी ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि आज से चार साल पहले जब वह राष्ट्रपति थे तो अमेरिका की दुनिया इज्जत करती थी। रूसी राष्ट्रपति पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरियाई के किम जोंग उन अमेरिका की बात सुनते थे। लेकिन आज अमेरिका की नहीं सुनी जाती है।

दुनिया की महाशक्ति भी एक अदने से कीड़े ने लड़ने में फैल, हर साल कर रहे नुकसान

फ्लोरिडा,(ईएमएस)। दुनिया का सबसे बढ़ा पॉवर अमेरिका जो एक छोटे से कीड़े से परेशान है जो उसे हर साल करोड़ों रुपया का नुकसान कर रहा है। औसतन आधा ग्राम से भी कम वजन वाले ये कीड़े धरती पर डायनासोर से भी पहले से विराजमान हैं। ये शाकाहारी हैं और देखने में भी मासूम हैं, लेकिन अमेरिका ही नहीं पूरी दुनिया इनसे परेशान है। दुनिया भर में टिड्डों की दस हजार से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनका रंग हल्के भूरे से लेकर गुलाबी, पीले या हरा होता है। इनमें भी रेगिस्तानी टिड्डा सबसे खतरनाक माना जाता है, जो अमूमन दुनिया भर में फसलों की बर्बादी का जिम्मेदार है। रेगिस्तानी टिड्डे झुंड में निकलते हैं। एक झुंड में 10 अरब तक टिड्डे होते हैं और दिनभर में यह 200 किलोमीटर तक का रास्ता तय करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक टिड्डों का दल एक बार में ढाई हजार लोगों का पेट भरने लायक अनाज खा जाता है। 1930 से 1950 के बीच टिड्डों का ऐसा आतंक था कि अफ्रीका के कई देश खाद्य संकट के मुहाने पर पहुंच गए। हालांकि 60 के दशक के बाद से टिड्डों के हमले में कमी आई है. लेकिन अब भी टिड्डे सबसे खतरनाक कीट माने जाते हैं।

हर साल अलग-अलग देशों पर टिड्डियों के दल हमले करते हैं। एक रिपोर्ट से पता लगता है कि अकेले अमेरिका में हर साल टिड्डे 1.5 बिलियन डॉलर कीमत की फसल खा जाते हैं। रुपए में यह रकम 150 करोड़ के आसपास बैठती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक टिड्डा हर दिन अपने वजन के बराबर यानी करीब दो ग्राम तक खाना खा सकता है। 2018-19 में अफ्रीकी देशों से लेकर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और यहां तक कि भारत के कई राज्यों में टिड्डियों का हमला देखा गया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 2018-19 में आए साइक्लोन और खराब मौसम की वजह से टिड्डियों के हमले बढ़े हैं

रूस ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पहली बार जमीन गंवाई

पुतिन ने दी यूक्रेन और नाटो को धमकी... हमारे पास कोई चारा नहीं अब दुश्मनों को कर देंगे बर्बाद

नई दिल्ली(ईएमएस)। रूस ने जंग शुरू होने के बाद से अब तक ढाई साल में यूक्रेन के 1 लाख वर्ग किमी इलाके पर कब्जा किया है। यह यूक्रेन की कुल जमीन का 18 प्रतिशत है। इसके जवाब में यूक्रेन ने अब पलटवार शुरू किया है और रूस की तुलना में उनके एक फीसदी इलाके पर कब्जा कर लिया है। रूस ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पहली बार जमीन गंवाई है। इससे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बौखला गए है और उन्होंने यूक्रेन और नाटो को धमकी दी है कि हमारे पास कोई चारा नहीं बचा है। अब दुश्मनों को बर्बाद कर देंगे।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हमारे पास कोई विकल्प नहीं है, कीव शासन और उनके नाटो मास्टर्स ने हमारे देश को आतंकित करने का फैसला किया है। वे हमारे क्षेत्रों में घुस रहे हैं। हमारे नागरिकों को मार रहे हैं। अत्याचार कर रहे हैं। वे सोचते हैं कि इसका कोई जवाब नहीं मिलेगा। हम यह आशा करते हुए लंबे समय लंबे समय से धैर्यवान रहे कि स्थिति सामान्य हो जाएगी, लेकिन कीव और उनके नाटो मास्टर्स ने संघर्ष को चरम पर ले जाने का फैसला किया है। खैर, हम उन्हें जवाब देंगे। हमारे दुश्मन नष्ट हो जाएंगे। दुर्भाग्य से, हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है।

पुतिन की चेतावनी से पहले उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वो कुस्क इलाके में हमला बंद कर देंगे। साथ ही रूस के अन्य शहरों की तरफ बढ़ना भी बंद कर देंगे। जिसमें मॉस्को भी शामिल है। लेकिन पुतिन को हमारे साथ शांति समझौता करना होगा। साथ ही हमारे जितने भी विवादित क्षेत्र हैं, वो वापस करने होंगे। जिसमें क्रीमिया भी शामिल हैं। जेलेंस्की का मानना है कि इस शांति समझौते से मामला हल हो जाएगा। इस बीच रूस ने नाटो और यूक्रेन से कब्जा किए गए टैंक्स और बख्तरबंद वाहनों की प्रदर्शनी लगाई है। ये प्रदर्शनी मॉस्को आर्मी 2024 इंटरनेशनल एक्सपो में लगाई गई है। उधर, व्हाइट हाइस ने यह बात मानी है कि यूक्रेन ने रूस के कुस्क इलाके में हमला करने से पहले अमेरिका को नहीं बताया था। यह जानकारी व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी केरीन जीन पियरे ने दी। जबकि रूस का मानना है कि ये अमेरिका और नाटो की साजिश थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन का रूस के कुस्क इलाके पर कब्जा करना, रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए कन्फ्यूजन वाली स्थिति थी। यह यूक्रेन के लिए बड़ी सफलता है। अमेरिका लगातार कीव के संपर्क में है। लगातार उनके साथ सामंजस्य बना कर रख रहा है। यूक्रेन की सेना के कमांडर इन चीफ ओलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा कि रूस के कुस्क इलाके में यूक्रेनी सेना ने 74 स्थानों पर पूरा कब्जा बना रखा है। 40 वर्ग किलोमीटर का इलाका यूक्रेन के कब्जे में है। रूस के स्पेशल फोर्सेस कमांडर मेजर जनरल अप्ती अलाउदिनोव ने कहा कि यूक्रेन की सेना को रोक दिया गया है। वो आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। कुस्क के गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने स्थानीय लोगों से संयम से काम लेने को कहा है।

शेख हसीना पर किडनैपिंग का केस दर्ज

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बुधवार को अपहरण का केस दर्ज हुआ है। शिकायतकर्ता सोहैल राणा सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं। अदालत ने हसीना के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। इस मामले में पूर्व गृह मंत्री अस दुज्जमां खान, पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक, पूर्व आईजीपी शाहिदुल हक, पूर्व आरएबी डीजी बेनजीर अहमद और रैपिड एक्शन बटालियन के 25 अज्ञात सदस्यों को आरोपी बनाया गया है।

किशिदा ने टो - चुनाव लड़ने से किया इंकार.....जापान को मिलेगा नया पीएम

टोक्यो (ईएमएस)। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि वे सितंबर में प्रस्तावित सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद के चुनाव में किस्मत नहीं आजमाएंगे। किशिदा सितंबर 2021 में एलडीपी के अध्यक्ष चुने गए थे। उनका तीन साल का कार्यकाल सितंबर में खत्म हो रहा है। खबर के मुताबिक, किशिदा के एलडीपी अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर होने का मतलब यह है कि पार्टी प्रमुख निर्वाचित होने वाला अगला नेता देश के पीएम के रूप में उनकी जगह लेगा, क्योंकि एलडीपी को जापानी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल है।

किशिदा के कार्यकाल में उनकी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल होने के आरोप लगे हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता काफी गिरी है। इसके अलावा, साल की शुरुआत में हुए चुनावों में एलडीपी के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी सांसदों ने अगले आम चुनाव से पहले नये नेता के चयन की मांग तेज कर दी है। किशिदा ने सितंबर में प्रस्तावित एलडीपी अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है, जिससे नए पार्टी प्रमुख के चयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को बताया राक्षस, देश में अशांति पर जताई चिंता

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने पूर्व पीएम शेख हसीना को राक्षस बताया है। उन्होने कहा कि छात्रों के नेतृत्व में ऐसी क्रांति हुई, जिसने हसीना सरकार का तख्तापलट कर दिया। उन्होंने कहा कि ये छात्र ही थे, जिन्होंने बीड़ा उठाया और उनकी कुर्बानी के बाद आखिरकार वह पल पाया कि उस राक्षस (हसीना) को देश छोड़कर भागना पड़ा। यूनुस ने उन छात्रों को श्रद्धांजलि दी जो विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए। साथ ही उन्होंने छात्रों से मामले की जांच का वादा भी किया।

मोहम्मद यूनुस ने माना कि देश में अभी जनजीवन सामान्य नहीं है और उनकी सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है क्योंकि पूरा सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। एक नई सरकार बनी है और हमें फिर से शुरुआत करनी है। जब आप नए फैसले लेने शुरू करते हैं तो कुछ लोग आपके फैसले पसंद करेंगे और कुछ नहीं। हमें इससे पार पाते हुए चीजों को ठीक करने के लिए आगे बढ़ना है।

देशभर में प्रदर्शन और अराजकता के बाद शेख हसीना ने पीएम पद छोड़कर ढाका से भारत आकर शरण ली है। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली है। यूनुस ने छात्रों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि छात्रों के नेतृत्व वाली क्रांति की वजह से ही पूरी सरकार ध्वस्त हो गई। उन्होंने देश में अशांति पर चिंता जताई है और सभी से शांति की अपील की है।

यूनुस की अंतरिम सरकार में गृह विभाग के सलाहकार सखावत हुसैन ने कहा है कि शेख हसीना अगर देश लौटकर फिर से राजनीति करती हैं तो उनको कोई दिक्कत नहीं है। हुसैन ने कहा कि हसीना को अपनी पार्टी अवामी लीग को नए चेहरों के साथ पुनर्गठित करना चाहिए। हुसैन ने साथ ही ये भी कहा कि अगर हसीना देश लौटकर किसी भी तरह की अशांति पैदा करने की कोशिश

सौर क्रांति से चमका गुजरातः छत पर सौर प्रणाली स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य

गांधीनगर,14 अगस्त

भारत सरकार का मिशन 2030 तक भारत की 50 प्रतिशत बिजली आपूर्ति विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से करना है, जिससे पारंपरिक ईंधन का बोझ कम हो जाएगा। राज्य सरकार ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। परिणामस्वरूप, आज गुजरात राज्य नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है। गुजरात की बिजली मांग को पूरा करने के अलावा, राज्य सरकार ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए सौर ऊर्जा पर जोर दिया है।

आवासीय भवनों पर सौर पैनल स्थापित करके, नागरिक अपने बिजली के बिल को कम कर सकते हैं और राज्य की बिजली की मांग को पूरा करने में भी योगदान दे सकते हैं, गुजरात सरकार ने वर्ष 2019 में 'सूर्य गुजरात' योजना लागू की। आज गुजरात आवासीय श्रेणी में सोलर रूफ टॉप स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य है। सूर्या गुजरात योजना (सूर्य एनर्जी रूफटॉप योजना) के कार्यान्वयन से राज्य में आवासीय घरों के लिए एक सरल प्रक्रिया के साथ सौर रूफटॉप सिस्टम की स्थापना की सुविधा मिली है, साथ ही इसमें सहायता भी मिली है।

सूर्या गुजरात योजना के बारे में बात करते हुए गुजरात के ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई ने कहा कि सोलर रूफटॉप लगाने में गुजरात देश में पहले स्थान पर है. योजना के कार्यान्वयन के बाद से 6.94 लाख से अधिक आवासीय घरों पर 2744 मेगावाट की कुल क्षमता वाले छत सौर पैनलों की स्थापना की गई है। राज्य सरकार द्वारा सोलर पैनल इंस्टालेशन के लिए इन ग्राहकों से कुल रु. 3155 करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी दी गई है. इतना ही नहीं बल्कि ग्राहकों को रु. बिजली बिल में 3260 करोड़ रुपये की बचत और सौर ऊर्जा की बिक्री से 3260 करोड़ रुपये की बचत हुई। 330 करोड़ की कमाई भी हुई है. राज्य में सोलर रूफटॉप का प्रचलन बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने चालू वर्ष के बजट में रुपये भी आवंटित किये हैं. 993 करोड़ का प्रावधान किया गया है.

हाल ही में भारत सरकार ने रुपये जारी किए हैं। 75,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी ठप्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाठ की घोषणा की, जिसका लक्ष्य 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके एक करोड़ परिवारों को लाभान्वित करना है। इस योजना के तहत गुजरात में कुल 2.49 लाख से अधिक आवेदन पंजीकृत किए गए थे। इन अनुप्रयोगों में, अब तक 532 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 1.45 लाख से अधिक सौर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। पीएम सूर्य घर योजना के कार्यान्वयन में 52 प्रतिशत योगदान के साथ गुजरात देश में शीर्ष पर है। सिंगल विंडो सिस्टम से नागरिक इस योजना का लाभ आसानी से उठा रहे हैं।

भारत सरकार के नवोन्मेषी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने गुजरात सरकार के प्रयासों को देश के सभी डिस्कॉम तक प्रसारित किया और इसके बाद पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की। द्वि-दिशात्मक मीटरों की खरीद की उन्नत योजना, ऑटो-मॉनिटरिंग प्रणाली, शिकायत निवारण तंत्र और राज्य कॉर्पस फंड की सुदृढ़ योजना गुजरात को दूसरों से अलग बनाती है। गुजरात के नागरिक रूफटॉप सोलर को गर्मजोशी से अपना रहे हैं और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

वडोदरा के पास मरेथा गांव में 12 फुट का विशालकाय मगरमच्छ देखा गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया

वडोदरा,14 अगस्त

वडोदरा में विश्वामित्री नदी से मगरमच्छ के भागने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. इस बीच आज मरेठा गांव में आये भारी भरकम मगरमच्छ को बचाने में वन विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ी.

वडोदरा के पास मरेथा गांव के रबारीवासमें12 फीट का एक विशाल काय मगरमच्छ पहुंचने से हड़कंप मच गया.घटनाकी सूचना वन विभाग को देने के बाद रेस्क्यू टीम आई। इस बार गांव के लोग जुट गए और वनविभागकी मदद से कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को बचाया गया.

मगरमच्छ की आंखों पर बड़ा कपड़ा डालकर उसे चारों तरफ से रस्सियों से बांध दिया गया और पिंजरे में खींच लिया गया. मगरमच्छ को वडोदरा के वन कार्यालय में लाया गया है और अब इसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया जाएगा।

भरूच में बीजेपी युवा मोर्चा उपाध्यक्ष के रेस्टोरेंट पर हमला, 12 युवक गिरफ्तार

भरूच,14 अगस्त

भाजपा युवा उपाध्यक्ष के खिलाफ पुलिस केसः भरूच में कॉलेज रोड पर द्वारिकाधीश रेस्तरां में कुर्सियां फेंकने और ड्रम फेंकने वाले युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जब पुलिस को पूरी घटना की जानकारी मिली, तो कुल 12 युवकों को हिरासत में लिया गया। बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष समेत तीन लोगों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां कुछ लोगों पर अक्सर उनके राजनीतिक जुड़ाव या किसी पार्टी से जुड़े होने के कारण अपराध करने का आरोप लगाया जाता है। वहीं, कुछ मामलों में इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होता दिख रहा है, वहीं भरूच के द्वारकाधीश रेस्टोरेंट में कुछ युवकों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट करने का वीडियो भी वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवकों का एक समूह रेस्टोरेंट में घुसकर कुर्सियां तोड़ रहा है.

जानकारी के मुताबिक, भरूच में कॉलेज रोड पर स्थित द्वारकाधीश रेस्टोरेंट की पान दुकान में किसी वजह से मामला गरमा गया. तभी युवकों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ शुरू कर दी और मारपीट की. हालांकि इसके बाद जब पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने रेस्टोरेंट में पिटाई करने वाले बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष समेत कुल 12 युवकों को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई की गई. .

पूरे घटनाक्रम को लेकर बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रजनेश दलपत पटेल,जय चौहान समेत 12 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इसके साथ ही सी-डिवीजन पुलिस ने भीड़ के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

एलआरडी परीक्षा में कदाचार करनेवाले 37 उम्मीदवार 3 साल के लिए अयोग्य घोषित

वडोदरा,14 अगस्त

पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने राज्य में पीएसआई और लोक रक्षक भर्ती को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, पीएसआई और लोक रक्षक भर्ती फॉर्म भरने के लिए 26 अगस्त से 9 सितंबर तक पोर्टल खोला जाएगा। इसकेसाथ ही फॉर्म भरते समय डुप्ली केसी की समस्या से बचने के लिए एक अहम फैसला लिया गया है.

राज्य में 26 अगस्त से पीएसआई और लोकरक्षक भर्ती की घोषणा की गई है, पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने पहले लोकरक्षक भर्ती 2021 के लिए फॉर्म भरा था, अगर उन्होंने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है, तो उन्हें फॉर्म भरना होगा केवल पीएसआई भर्ती के लिए। वहीं इन अभ्यर्थियों को लोकरक्षक भर्ती के लिए दोबारा फॉर्म भरने की जरूरत नहीं होगी.

पब्लिक गार्ड भर्ती में गड़बड़ी करने पर 37 अभ्यथ र्ी 3 साल के लिए अयोग्य घोषित यहां बता दें कि गुजरात सरकार ने लोकरक्षा भर्ती में गड़बड़ी करने वाले 37 अभ्यर्थियों के खिला फ सख्त कार्रवाई की है. इन उम्मीदवारों के खिलाफ उचित कार्रवाईकरने और उन्हें अयोग्य घोषि त करने का निर्णय लिया गया है.

राज्य सरकार द्वारा लोकरक्षक परीक्षा तीन साल पहले यानी 2021 में आयोजित की गई थी। हालांकि परीक्षाकेसमय ही कदाचार का मामला सामने आ गया. जिसमें दो अभ्यर्थियों के पास से परीक्षा के समय मोबाइल औरसाहित्यबरामदहुआ. इसके अलावा तीन अन्य अभ्यर्थियों ने कॉल लेटर में छेड़छाड़ की। अब राज्य सरकार ने इस गड़बड़ी पर सख्त कार्रवाई की है और कुल37 उम्मीदवारों को 3 साल के लिए सरकारी भर्ती से अयोग्य घोषित कर दिया गया है.

यह फैसला राज्य सरकार ने लिया है. जिसमें भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने सोशल मीडिया एक्स (एक्स) पर लिखा कि, 'राज्य सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा भर्ती 2021 में भर्ती प्रक्रिया के दौरान कदाचार करने वाले 37 उम्मीदवारों को अगले तीन वर्षों के लिए अयोग्य घोषित करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार की भर्ती।' गौरतलब है कि अभ्यर्थियों पर कार्रवाई की गयी है. उनके नाम लोकरक्षक भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर डाल दिए गए हैं।

सूरत में अठवालाइन्स स्कूल में अनुपस्थित शिक्षक का छुट्टी फॉर्म किसी और ने भर दिया

सूरत ,14 अगस्त

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति सहित राज्य के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की लंबे समय से अनुपस्थिति को लेकर विवाद के बीच, सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में शिक्षकों की भूत उपस्थिति का घोटाला सामने आया है। समिति की साप्ताहिक लाइन के एक विद्यालय में शिक्षक अनुपस्थित थे और उनकी अनुपस्थिति में दूसरे शिक्षक ने भी अवकाश प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर कर दिया था. इतना ही नहीं चर्चा यह भी शुरू हो गई है कि एक शिक्षक की छुट्टी के लिए तीन अलग-अलग कारण दिखाकर यह बड़ा घोटाला किया जा रहा है।

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में, अठवालाइन्स क्षेत्र में स्कूल नंबर 6 की पहचान श्री विश्वेश्वरैया स्कूल के रूप में की जाती है। इस स्कूल में विनोद टिंगल नाम के एक शिक्षक हैं। हालांकि यह शिक्षक सुबह की पाली में अनुपस्थित थे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति पूरी नहीं हुई और दूसरे शिक्षकने उनके नाम पर आधी छुट्टी का फॉर्म भर दिया। अन्य शिक्षकों की उपस्थिति सुबह ही पूरी हो गयी थी. इन शिक्षकों की उपस्थिति 11 बजे कब पूरी होगी, इसका खोखला स्पष्टीकरण प्राचार्य द्वारा किया गया.

खास बात यह है कि इस शिक्षक की छुट्टी के एक नहीं बल्कि तीन अलग-अलग कारण सामने आए हैं। इससे बड़ा घोटाला होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. छुट्टी की मंजूरी के लिए भरे गए फॉर्म में एक ओर धार्मिक कारण लिखा था, वहीं दूसरी ओर प्रिंसिपल की ओर से मौत का कारण बताया गया था.

सावरकुंडला के पास जंगल के राजा के सामने नहाए 2 कुत्ते,

सावरकुंडला,14 अगस्त

गिर पंथक के अवार शेर के शिकार और गांव में घूमते शेरों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. आपने सोशल मीडिया पर शेरों की लड़ाई या शिकार के कई वीडियो देखे होंगे. लेकिन रविवार रात को सावरकुंडल के थोरडी गांव की एक गौशाला का वीडियो वायरल हो गया है. मानो या न मानो, यह वीडियो दो शेरों और दो कुत्तों के बीच लड़ाई का है। दोनों के बीच एक ही दरवाजा है. दो शेर 2 कुत्तों पर बेहद आक्रामक तरीके से हमला करते हैं, वहीं दूसरी ओर कुत्ते भी आक्रामक तरीके से जवाब देते हैं मानो शेरों को कुत्ता समझ रहे हों.

शेर को जंगल का राजा कहा जाता है और जो राजा के सामने खड़े होने की हिम्मत रखता है। शेर की दहाड़ से भालभला के पसीने छूट गए। लेकिन सावरकुंडला के थोर्डी गांव की एक गौशाला के वीडियो में 2 कुत्ते 2 शेरों को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं. हालाँकि, न तो शेर और न ही कुत्ते को कोई नुकसान हुआ क्योंकि उनके बीच एक दरवाजा था। लेकिन दोनों के बीच की लड़ाई देखकर आप भी दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे. इस घटना का वीडियो खूब वायरल हो रहा है.

15 अगस्त को गुजरात के 25 पुलिसकर्मी राष्ट्रपति पदक से होंगे सम्मानित

अहमदाबाद (ईएमएस) कल 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा इस मौके पर देश के 1037 सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रपति वीरता और सेवापदक देकर सम्मानित करेंगे राष्ट्रपतिद्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के 25 पुलिसकर्मियों को मेडल देने की घोषणाकीहै भारतका 78वां स्वतंत्रता दिवस कल गुजरात समेत देशभर में मनाया जाएगा। राज्य के विभि न्न जिलों में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए ध्वजारोहण के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे इस अवसर पर विशिष्ट सेवा और सराहनीय कार्य करने वाले सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रपति द्वारा वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इस साल देशभर के 1037 सुरक्षाक र्मियों को राष्ट्रपति पदक देकर सम्मा नित किया जाएगा जिनमें से गुजरात के 25 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक देकर सम्मानित किया जाएगा

इसके अंतर्गत सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों की सूची में अशोक कुमार मुनिया (कमांडेंट), राजेंद्र सिंह चुडासमा (कमांडेंट), सजन सिंह परमार (एसपी), बिपिन ठाकेर (डीवायएसपी), दिनेश चौधरी (डीएसपी), नीरव सिंह गोहिल (एसपी), कृष्णकुमार सिंह गोहिल (डीएसपी) जुगलकुमार पुरोहित (डीएसपी) करन सिंह पंथ (सब इंस्पेक्टर), हरसु खलाल राठौड़ (एएसआई) अश्विन कुमार श्रीमाली (सब इंस्पेक्टर), विजय कुमार पटेल (एएसआई), बशीर मुद्रक (एएसआई), ईश्वर सिंह सिसौदिया (सब इंस्पेक्टर) रमेश पटेल (हेड कांस्टेबल),किशोर सिंह सिसौदिया (सब इंस्पेक्टर), प्रकाश पटेल (सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक), महिपाल पटेल (हेड कांस्टेबल), धर्मेंद्र सिंह वाघेला (सब इंस्पेक्टर) शामिल हैं जबकि होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची में संजयभाई वसावा (सीनियर प्लाटून कमांडर), पासाभाई झाला (हवलदार क्लर्क), बृजेश शाह (डिप्टी चीफ वार्डन) मेहुल सोरठिया और (डिप्टी चीफ वार्डन) शामिल हैं

गुजरात के साथ कृषि, डेयरी उद्योग, सहकारिता, रिन्यूएबल एनर्जी समेत सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाएगा न्यूजीलैंड

गांधीनगर (ईएमएस) न्यूजीलैंड के नौ सदस्यीय शिष्टमंडल ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। न्यूजीलैंड के कृषि, वानिकी व्यापार एवं विदेश मामलों के सहायक मंत्री टॉड मैक्ले और भारत स्थित न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गुजरात के साथ रणनीतिक साझेदारी के लिए मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ इस मुलाकात बैठक में उन्होंने गुजरात के साथ कृषि, डेयरी उद्योग, सहकारिता, रिन्यूएबल एनर्जी और पर्यटन क्षेत्र में सहयोग तथा दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को लंबे समय तक सौहार्दपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने के लिए उत्सुकता दिखाई।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-न्यूजीलैंड के संबंध विकसित हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुजरात इन द्विपक्षीय संबंधों को और आगे ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुजरात में गायआधारित खेती से किसानों की आय दुगुनी करने का अपना संकल्प साझा किया। उन्होंने गुजरात और न्यूजीलैंड को कृषि-सहकारिता एवं डेयरी क्षेत्र के लिए लाभदायी 'कृषक विनिमय कार्यक्रम' शुरू करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने शिष्टमंडल के समक्ष ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वैचारिकी को समृद्ध करने के लिए समय-समय पर बैठक और कार्यशालाओं के आयोजन की इच्छा भी व्यक्त की। मुख्यमंत्री नेआगे कहा कि गुजरात दूध उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। इतना ही नहीं, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भी गुजरात आगे है और न्यूजीलैंड के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने न्यूजीलैंड में बसे परिश्रमी गुजराती समुदाय के संबंध में भी चर्चा की

वडोदरा में रेत माफिया द्वारा कारनेट-रतनपुर ब्रिज के नीचे अवैध रेत खनन के साक्ष्य

वड़ोदरा,14 अगस्त,

स्थानीय लोगों ने बार-बार खान और खनिज कार्यालय में सबूतों के साथ शिकायत की है कि वड़ोदरा शहर के पास कार्नेट-रतनपुर ब्रिज के पास रेत का अवैध खनन किया जा रहा है और ट्रैक्टरों में लोड किया जारहाहै। लेकिन खाते में मिली भगत के कारण जांच करने जाने से पहले ही बालू माफिया को सूचना मिल गयी थी. नतीजतन, मौके पर जांच से कुछ नहीं मिलता। परिणाम स्वरूप, स्थानीय लोगों ने कलेक्टर कार्यालय में एक आवेदन प्रस्तुत किया।

गौरतलबहै किशहरकेपास करनेट-रतनपुरपुल के नीचे रेत माफियाओं द्वारा खुलेआम रेत का खनन किया जा रहा है और ट्रैक्टरों में रेत भरकर ले जाया जा रहा है. खान एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को अवैध रूप से भरे गये बालू माफियाओं के नाम सहित भरे गये बालू का विवरण दिया गया. लेकिन मिल्ली भगत के कारण मौके पर जांच से पहले ही बालू माफिया को सूचना मिल जाती है. नतीजतन, मौके पर जांच से कुछ नहीं मिलता। स्थानीय लोगों ने इसकी बार-बार सबूतों के साथ अकाउंट में शिकायत की, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई. नतीजतन, स्थानीय लोगों ने इमारत के हिस्से को गिराने का काम शुरू करने के लिए कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है।

मूर्ति विसर्जन के दौरान 5 लोग साबरमती नदी में डूबे

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में अमावस्या से शुरू हुए दशा मां का व्रत कर रहे श्रद्धालु अब उनकी प्रतिमा का नदियों में विसर्जन करने लगे हैं गांधीनगर में दशा मां की मूर्ति विसर्जित करने साबरमती नदी पर पहुंचे 5 लोग पानी में डूब गए जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोगों की दमक लकर्मी नदी में तलाश कर रहे हैं जानकारी के मुताबिक गांधीनगर में दशा मां का विसर्जन करने गए पांच लोग साबरमती नदी में डूब गए

प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर चार ट्रेनों का 23 अगस्त तक ठहराव निरस्त

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी मण्डल के प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर लाइन नंबर 4 और 6 पर इंजीनीयरिंग कार्य हेतु प्रस्तावित ब्लॉक के कारण अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस एवं अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) ट्रेनों का ठहराव तत्काल प्रभाव से 23 अगस्त 2024 तक प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर निरस्त किया गया है।

ठहराव निरस्त ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः- ट्रेन संख्या 15560 अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15559 दरभंगा-अहमदाबाद अंत्योदय एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 19421 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक एक्सप्रेस,ट्रेन संख्या 19422 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www .enquiry .iâianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

एसओजी ने एक करोड़ की ड्रग्स तस्करी मामले में फरार आरोपी शहबाज आलम खान गिरफ्तार किया

सूरत (ईएमएस) सूरत एसओजी ने एमडी ड्रग्स मामले में फरार मुख्य आरोपी शहबाज आलम खान को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वह नेपाल से सूरत पहुंचा था आरोपी अपने दो अन्य साथियों के साथ ट्रेन के जरिए मुंबई से सूरत तक ड्रग्स की तस्करी करता था। आरोपी को प्रत्येक मादक पदार्थ तस्करी के लिए 5000 से 15 हजार रुपये तक का कमीशन मिलता था। दरअसल कुछ समय पहले सूरत एसओजी ने ड्रग्स की डिलीवरी और लेने वाले लोगों को पकड़ने के लिए रामपुरा इलाके में लालमिया मस्जिद के पास छापेमारी की। उस दौरान मुख्य आरोपी शहबाज आलम खान एक करोड़ के ड्रग्स के थैले को फैंक फरार हो गया था रामपुरा अखाड़ा स्ट्रीट निवासी और वेस्टेज यार्न के व्यापारी शहबाज आलम इर्शाद हुसैन खान अपने दो साथियों के साथ मुंबई से एक करोड़ की एमडी ड्रग्स लेकर आया था रामपुरा के काशिफ इकबाल उर्फ पसीना शेख ने यह ड्रग्स मंगवाया था डिलीवरी के वक्त ही सूरत एसओजी ने छापामारी की और काशिफ को एक करोड़ की ड्रग्स के साथ दबोच लिया था काशिफ से पूछताछ में आरोपियों के नाम सामने आने पर कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया एमडी ड्रग्स मामले में शहबाज आलम की मुख्य भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी सरगर्मी से तलाश तेज कर दी एसओजी की टीम आरोपी शहबाज की तलाश में उसके मूल निवास स्थान उत्तर प्रदेश के संत कबीर जिले में भी गई थी लेकिन वहां भी शहबाज के ना मिलने पर सूरत एसओजी की टीम खाली हाथ लौट आई पता चला कि मुख्य आरोपी शहबाज आलम नेपाल भाग गया है इस बीच लालगेट पुलिस को सूचना मिली कि शहबाज आलम नेपाल से सूरत लौट आया है सूचना के आधार पर पुलिस ने लालगेट इलाके में घूम रहे आरोपी शहबाज आलम खान को गिरफ्तार कर लिया पुलिस की पूछताछ में आरोपी शहबाज ने बताया कि वह मोहम्मद काशिफ समेत दो साथियों के साथ ट्रेन से मुंबई से सूरत तक ड्रग्स ला रहा था शहबाज ने बताया कि एक ट्रिप के लिए करीब 15000 रुपये का कमीशन दिया मिलता था पूछताछ में यह भी पता चला कि शहबाज भी ड्रग्स का सेवन करता है। हांलाकि आरोपी शहबाज की इस बात पर पुलिस को यकीन नहीं हो रहा कि उसने अब तक सिर्फ तीन बार ड्रग्स की हेराफेरी की है फिलहाल सूरत पुलिस ने नशे के कारोबार में शामिल मुख्य आरोपी शहबाज आलम खान को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है

अप्सरा आइसक्रीम्स अपनी 53वीं सालगिरह पर मुस्कान लॉन्च की घोषणा

अगस्त 2024 : लोगों के चेहरों पर खुशी और मुस्कुराहट लाने की एक कोशिश में अप्सरा आइसक्रीम्स ने आज एक अनोखी पहल मुस्कान को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ब्रैंड की 53वीं सालगिरह पर शुरू की जा रही है।

इस अवसर पर बात करते हुए, अप्सरा आइसक्रीम्स के संस्थापक भागीदार श्री नेमचंद शाह ने कहा, ''मुस्कान का मुख्य मकसद समाज के विभिन्न वर्गों तक खुशियाँ पहुँचाना और हमारी 53वीं सालगिरह भी मनाना है। यह लॉन्च 78वें स्वाधीनता दिवस पर 15 अगस्त को होगा और हम सभी के लिये यह बड़े गर्व की बात है। उन लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट देखने के लिये हम सचमुच उत्साहित हैं और उनका दिन यादगार बना देंगे। हमें समाज को उसके उपकारों के बदले कुछ लौटाने और उनके जीवन को खुशियों से भरने पर बड़ा यकीन है।''

अपने विचार रखते हुए, अप्सरा आइसक्रीम्स के प्रबंध भागीदार श्री. केयूर शाह ने कहा, ''पूरा जोर समाज के विभिन्न स्तरों तक पहुँचने पर दिया जा रहा है। यह बड़े गर्व का विषय है कि हम अपनी वर्षगांठ 78वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मना रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य जरूरतमंद लोगों को खुशियाँ और मुस्कुराहट देना और सामाजिक जिम्मेदारी के लिये अप्सरा की प्रतिबद्धता दिखाना है।

फोरकास स्टूडियो लिमिटेड का आई पी ओ 19 अगस्त 2024 को खुलेगा

भारत में युवाओं के लिए अग्रणी महत्वाकांक्षी फैशन ब्रांडों में से एक, फोरकास स्टूडियो लिमिटेड ने पुरुषों के कपड़ों पर विशेष ध्यान देने के साथ 19 अगस्त 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से रुपये के ऊपरी बैंड पर है। 37.44 करोड़, एनएसईआईमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले शेयरों के साथ। इश्यू का आकार 10 के अंकित मूल्य पर 46,80,000 इक्विटी शेयरों तक है। इक्विटी शेयर आवंटन- क्यू आईबी एंकर भाग - 13,31,200 इक्विटी शेयर तक, योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) - 8,89,600 इक्विटी शेयर तक, गैर संस्थागत निवेशक (एनआईआई) - 6,67,200 इक्विटी शेयर तक, खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) - 15,56,800 इक्विटी शेयर तक, मार्केट मेकर - 2,35,200 इक्विटी शेयर तक आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग गोदामों के उन्नयन, कंपनी द्वारा प्राप्त कुछ सुरक्षित ऋणों के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, फंडिंग के लिए किया जाएगा। कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए। एंकर हिस्से के लिए बोली 16 अगस्त, 2024 को खुलेगी, अन्य सभी श्रेणियों के लिए यह इश्यू 19 अगस्त, 2024 से सदस्यता के लिए खुलेगा और 21 अगस्त, 2024 को बंद होगा। इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड है। इश्यू का रजिस्ट्रार मास सर्विसेज लिमिटेड है। फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री शैलेश अग्रवाल ने कहा, ''हमारी उल्लेखनीय यात्रा को दर्शाते हुए, फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड स्टाइल, गुणवत्ता और सामर्थ्य के साथ भारतीय पुरुष परिधान बाजार में एक विशिष्ट नाम के रूप में विकसित हुआ है। हमारे ब्रांड 'एफटीएक्स', 'ट्राइब' और 'कॉन्टेनो' फैशनेबल, किफायती और आरामदायक पुरुषों के परिधान का पर्याय बन गए हैं, जो पूरे भारत में व्यापक जनसांख्यिकीय को पूरा करते हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान अपनी पहुंच बढ़ाने और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपनी ब्रांड उपस्थिति को बढ़ाने पर केंद्रित है 1,200 से अधिक एक्ळ और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर मजबूत उपस्थिति के साथ, हम अपने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, विशेष रूप से टियर -2, टियर -3, टियर -4 शहरों और कस्बों में, जहां हम विकास की भारी संभावनाएं देखते हैं। श्री मानव गोयनका, अध्यक्ष - निवेश बैंकिंग, होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, ''फोर्कास स्टूडियो लिमिटेड की वृद्धि पुरुषों के फैशन उद्योग की उनकी गहरी समझ और उत्कृष्टता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। तेजी से बदलते फैशन परिदृश्य के अनुकूल ढलने की उनकी क्षमता, एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति और स्टाइलिश और किफायती मेन्सवियर की विविध रेंज के साथ मिलकर, उन्हें निरंतर सफलता की स्थिति में रखती है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर वडोदरा मण्डल के 06 रेलवे स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

रंग बिरंगी रोशनी से सजे वडोदरा, एकतानगर, प्रतापनगर, दभोई व गोधरा स्टेशनों व डीआरएम कार्यालय तथा भारतीय रेल राष्ट्रीय संस्थान (ँ)

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मण्डल पर 14 अगस्त को लोगों के संघर्ष एवं बलिदान की याद में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' के रूप में मनाया गया। इस दौरान वडोदरा मण्डल के वडोदरा, प्रतापनगर, एकतानगर, गोधरा, भरूच व आणंद स्टेशनों व प्रतापनगर स्थित डीआरएएम कार्यालय पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

यह दिवस देश के उन लोगों के संघर्ष व बलिदान की याद में मनाया जा रहा है जिन्हे नफरत व हिंसा के कारण अपनी जान गवानी पड़ी। इस फोटो प्रदर्शनी में उन लाखों लोगों की हृदय विदारक पीड़ा एवं मन की कसक को उजागर करने के लिए इतिहास के अमिट तथ्यों को प्रदर्शित किया गया है जिन्हे देश विभाजन के समय इसे सहन करना पड़ा।यह प्रदर्शनी पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपना जीवन भी गवाना पड़ा। इन स्टेशनों पर बड़ी संख्या में लोगों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया ।

रंग बिरंगी रोशनी से सजे स्टेशन

हर घर तिरंगा अभियान के तहत वडोदरा मण्डल के वडोदरा, एकतानगर, प्रतापनगर, दभोई व गोधरा स्टेशनों व डीआरएम कार्यालय तथा भारतीय रेल राष्ट्रीय संस्थान (ँ) पर आकर्षक रोशनी की गई

उधना-भागलपुर के बीच चलेगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09013	उधना-भागलपुर	15.08.2024	15:50 बजे (गुरुवार)	12:30 बजे (शनिवार)
09014	भागलपुर - उधना	18.08.2024	05:00 बजे (रविवार)	01:00 बजे (मंगलवार)

पड़ावः सायन, अंकलेश्वर, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, तुआला, शिक